कोटद्वार, मंगलवार
21 अप्रैल 2026
वर्ष: 49
अंक: 3 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

झारखंड में गोड्डा-महगामा रेल प्रोजेक्ट को मिली रफ्तार

- पटरी बिछाने का काम हो गया शुरू,468 करोड़ होंगे खर्च

गोड्डा (एजेंसी)। गोड्डा-महगामा-पीरपैंती रेल परियोजना ने रफ्तार पकड़ ली है। परियोजना के पहले चरण में गोड्डा से महगामा के बीच 27.5 किमी लंबी पटरी बिछाने काम शुरू हो गया है। गोड्डा प्रखंड के दियारा, नेपूरा ,पंचकाठी मौजा आदि क्षेत्र में पटरी बिछाई जा रही है। साथ ही अधिग्रहित जमीन के चारों ओर बाउंड्री का भी निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में गोड्डा

के बाद पथरगामा व महगामा भी रेल के मानचित्र में दिखेगा। इस परियोजना से क्षेत्र के समाजिक व आर्थिक रफ्तार को भी गति मिलेगी। दूसरे फेज में महगामा से पीरपैंती तक रेल पटरी बिछाने का काम होगा। गोड्डा-पीरपैंती के बीच कुल 62 किमी लंबी लाइन बिछाई जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, अगले बीस दिनों में मिट्टी वर्क की शुरुआत कर दी जाएगी जिसके बाद रेलवे पटरी बिछाने का काम शुरू हो जाएगा। अधिकांश जमीन का अधिग्रहण रेलवे ने कर लिया है। जो सरकारी जमीन है वहां पेंच फंसा है। गोड्डा से महागाम के बीच कुल तीन स्टेशन - नेपूरा, पथरगामा व महगामा होंगे।

आने वाले समय में पूर्वी क्षेत्र से जुड़ेगा गोड्डा

महगामा तक रेल पटरी बिछने के बाद बटेश्वर तक रेल पटरी बिछाई जाएगी। इसके लिए गंगा पर रेल पुल का भी निर्माण कार्य पहले ही आरंभ कर दिया गया है। पीरपैंती तक रेल नेटवर्क का जाल बिछने के बाद गोड्डा सीधे पूर्वी भारत से जुड़ जाएगा।

मणिपुर में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों में झड़प

- आंसू गैस छोड़ी,मशाल रैली रोकने पर टकराव हुआ

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में शटडाउन के बीच रविवार रात कई इलाकों में प्रदर्शन हुए। इंफाल ईस्ट के कोइरेंगेई, इंफाल वेस्ट के उरिपोक और कक्चिंग जिले में मशाल रैलियां निकाली गईं। कक्चिंग में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हुई। भीड़ को हटाने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस, स्मोक बम और स्टन ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया। झड़प में कई लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल, 6 अप्रैल को ट्रोंग्लाओबी आवांग लेइकाई एक घर पर बम धमाके में दो बच्चों की मौत हुई थी। इन्हीं के न्याय के लिए प्रदर्शन हो रहे है। हालात को काबू में करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स तैनात की गई। इंफाल वेस्ट के एसपी शिवकांत सिंह ने कहा कि हाल के प्रदर्शनों में कुछ असामाजिक तत्व रैलियों का फायदा उठाकर सुरक्षाबलों पर हमला कर रहे हैं।

इधर-उधर घूमता रहा विमान, यात्रियों की अटकी सांसें

बेंगलुरु (एजेंसी)। हैदराबाद से हुबली जा रही फ्लाई-91 की एक फ्लाइट को तकनीकी खराबी आने के बाद रास्ता बदलकर बेंगलुरु ले जाना पड़ा। इस दौरान विमान करीब चार घंटे तक आसमान में ही चक्कर लगाता रहा। इससे यात्रियों में डर और घबराहट का माहौल बन गया। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कई यात्री घबराए हुए नजर आ रहे हैं।

चार घंटे तक मुश्किल में रही जान, फ्लाई-91 की फ्लाइट में आई खराबी

कुछ यात्री प्रार्थना करते हुए दिखाई दे रहे हैं तो कुछ भी रहे हैं। इस दौरान फ्लाइट उतरने से पहले अलग-अलग इलाकों के ऊपर चक्कर लगाती रही। जानकारी के अनुसार, फ्लाइट रविवार दोपहर लगभग 3 बजे राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रवाना हुई थी। इस फ्लाइट को शाम साढ़े चार बजे हुबली पहुंचना था। लेकिन हुबली के करीब पहुंचने पर विमान में तकनीकी समस्या सामने आई। इसके चलते पायलट को तुरंत फैसला लेते हुए लैंडिंग टालनी पड़ी। पायलट ने स्थिति को संभालने के लिए विमान को कर्नाटक के विभिन्न इलाकों मुंडगोड, दावणगेरे और शिवमोग्गा के ऊपर बार-बार घुमाया गया। कई बार कोशिश करने के बाद आखिरकार विमान का रास्ता बदल दिया गया और वह शाम लगभग 7.30 बजे बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतर गया। इस दौरान विमान में बैठे यात्रियों काफी डर गए। यात्रियों में से एक महिला हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हुए देखी जा रही है।

जम्मू में भीषण हादसा, 21 की मौत

तीखा मोड़ और स्टियरिंग बेकाबू होते ही 100 फिट गहरी खाई में गिरी बस

श्रीनगर (एजेंसी)। सोमवार की सुबह जम्मू-कश्मीर में तब चीख-पुकार मच गई, जब एक यात्री बस 100 फिट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। ये हादसा तब हुआ, जब एक यात्री बस रामनगर से उधमपुर जा रही थी, तभी अचानक बस का संतुलन बिगड़ गया और बस सीधे खाई में जा गिरी। इस हादसे के बाद वहीं चीख-पुकार मच गई। जहां ये दुर्घटना हुई है, वह कनोट गांव है, जो उधमपुर जिले के तहत आता है। हालांकि, हादसे के बाद स्थानीय पुलिस, स्थानीय लोग और सेना के जवानों ने तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को ले जा रही बस जिले की रामनगर तहसील के कनोट मोड़ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में करीब 50 यात्री सवार थे जिनमें अधिकांश अपने कामकाज के लिए रामनगर से उधमपुर जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी सड़क पर मोड़ आया और बस गिर गई।

राष्ट्रपति, उप राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने भी जताया शोक

पीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर भी लिखा, जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में एक बस दुर्घटना के कारण लोगों की मौत के बारे में सुनकर दुख हुआ। मैं उन लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। दुखद दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के निकटतम परिजन को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। इनके अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस घटना पर शोक और दुख जताया है।

पीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना पर दुख जताया है और हादसे के मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये बतौर मुआवजा देने का ऐलान किया है। उन्होंने सभी घायलों को भी 50-50 हजार रुपये की सहायता का ऐलान किया है।

केंद्रीय मंत्री ने स्थिति पर नजर रखी

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने उधमपुर के डिप्टी कमिश्नर मिंगा शेरपा से बात की और स्थिति का जायज़ा लिया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, अभी-अभी उधमपुर के डीसी मिंगा शेरपा से बात की, क्योंकि मुझे एक घंटे से भी कम समय पहले कानोट गांव में रामनगर से उधमपुर जा रही एक सार्वजनिक परिवहन बस के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली। उन्होंने कहा, बचाव अभियान तुरंत शुरू कर दिया गया है। कई लोगों के हताहत होने की आशंका है।
पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। घायलों को चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल ले जाया जाएगा। गंभीर रूप से घायलों को एयरलिफ्ट करने की व्यवस्था की जा रही है।

चिप्स से शिप्स तक रहेगा भारत-दक्षिण कोरिया का साथ

- मजबूत और बेहतर इकोसिस्टम बनाने पर काम कर रहे दोनों देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद दोनों देशों के नेताओं ने अपना संबोधन दिया। दोनों देशों के बीच एमओयू एक्सचेंज हुए। इसके साथ ही दोनों देशों ने व्यापार, संस्कृति और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया तकनीक, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में चिप्स से शिप्स तक मजबूत इकोसिस्टम बनाने पर काम कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने महत्वपूर्ण तकनीकों और सप्लाई चेन पर केंद्रित एक इकोनॉमिक सिक्योरिटी डायलॉग को संस्थागत रूप देने पर भी सहमति जताई।

द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने पर जोर

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और कोरिया का द्विपक्षीय व्यापार आज 27 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। साल 2030 तक इसे 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लिए हमने आज कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

टीसीएस के बाद एक और कांड से हिला महाराष्ट्र

- अब नागपुर में एनजीओ अध्यक्ष रियाज फाजिल पर लगा यौनशोषण का आरोप

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में जरूरतमंद बच्चों के लिए काम करने का दावा करने वाले एनजीओ के अध्यक्ष पर यौन शोषण के आरोप लगे हैं। पुलिस ने इस मामले

में केस दर्ज कर एनजीओ के अध्यक्ष रियाज फाजिल काजी को गिरफ्तार कर लिया है। काजी के खिलाफ कई युवा महिलाओं ने कथित यौन शोषण, धार्मिक दबाव, बदनामी और साइबर स्टॉकिंग के आरोप लगाए हैं। इस मामले में शनिवार रात करीब 10 बजे मनकापुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने इस मामले में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

बार-बार करता था गले लगाने की कोशिश

शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी बार-बार उसे गले लगाने की कोशिश करता था और एक बार तो उसने सीसीटीवी कैमरा बंद करके ऐसा किया। विरोध करने पर आरोपी ने बदतमीजी करना शुरू कर दिया। उसने यह भी दावा किया कि जब वह अकेली होती थी तो आरोपी उसे छूता था और दूसरों से उसके बारे में जानकारी इकट्ठा करता था। काजी ने महिला कर्मचारियों और वॉलंटियर्स की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट भी बनाया था।

भारत से भागा लश्कर का 'खरगोश' सऊदी में मिला

- पाकिस्तान से आया, राजस्थान के जयपुर में रचाई थी शादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी उमर हारिस उर्फ 'खरगोश' के सऊदी अरब में छिपे होने की जानकारी सामने आई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के मुताबिक इस आतंकी ने पाकिस्तान से आने के बाद कुछ साल कश्मीर में गुजारे उसके बाद राजस्थान की राजधानी जयपुर में शादी की थी। इस शादी के दस्तावेजों के आधार पर इसने फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाया और फिर सज्जाद नामक पहचान के आधार पर देश से फरार हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, हारिस 2012 में पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर आया था। हाल ही में गिरफ्तार किए गए आतंकियों से पूछताछ के आधार पर यह जानकारी सामने आई है। इस मामले की जांच फिलहाल श्रीनगर पुलिस कर रही है, लेकिन जल्दी ही इसके एनआईए के हाथों में जाने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में सभी एजेंसियां एक-दूसरे से संपर्क में हैं।

ईरान युद्ध के बीच भारतीय सेना ने बनाया बड़ा प्लान

तेल और गैस की कमी दूर करने के मिशन में जुटी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान युद्ध के चलते तेल और गैस संकट के बीच भारतीय सेना ने आगे का पूरा प्लान तैयार कर लिया है। भारतीय सेना एलपीजी और फ्यूल में काफी कटौती करके वैकल्पिक रास्ता अपना रही है। अगले महीने से यह एक मिशन के स्तर पर शुरू हो जाएगा। सेना बायोगैस और सोलर जैसे वैकल्पिक ऊर्जा के साधनों का उपयोग कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक सेना ने बायोगैस स्टोव्स खरीदने का ऑर्डर जारी कर दिया है। इसके अलावा सेना के जवानों का मूवमेंट 400 किलोमीटर के अंदर ही सीमित किया जाएगा जिससे फ्यूल बचाया जा सके।

बड़ी संख्या में सोलर प्लांट और पवन चक्की लगाएगी सेना

आंकड़ों के मुताबिक सेना में रोज करीब 1,56,000 किलो कुकिंग गैस खर्च होती है। बायोगैस के इस्तेमाल से इसमें से 20 फीसदी गैस को बचाया जा सकता है। इसके अलावा सेना के पास करीब 2 लाख वाहन हैं। ऐसे में बड़ी मात्रा में फ्यूल रोज वाहनों में भी खर्च होता है। इसके अलावा सेना का प्लान है कि खाली पड़े इलाके में अगले पांच साल में बड़ी संख्या में पवन चक्की और सोलर प्लांट लगाए जाएं।

हरियाणवी युवक की 6 महीने में शादी थी, वीडियो कॉल से शगुन डाला

डंकी वाले रूट से 6 महीने में अमेरिका पहुंचा, जलकर मौत

कैथल (एजेंसी)। हरियाणा के कैथल जिले के एक छोटे से गांव बाकल में जन्में 26 साल के सिमरनजीत सिंह की अमेरिका में सड़क हादसे में मौत हो गई। सिमरनजीत बेहतर भविष्य की तलाश में हजारों किलोमीटर दूर परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने का सपना लेकर आया था। वो खतरनाक 'डंकी रूट' के जरिए 6 महीने के अंदर विदेश पहुंचा था। कई देशों की कठिन यात्रा, जेल तक का सामना और संघर्ष भरी जिंदगी के बाद उसने ट्रक ड्राइवर

के रूप में काम शुरू किया, लेकिन सड़क हादसे ने उसके सपनों के साथ-साथ परिवार की उम्मीदों को भी खत्म कर दिया। परिवार को जब उसके मरने की खबर मिली तो सभी का रो-रो कर बुरा हाल था। परिवार सिमरनजीत की 6 महीने में शादी करने की तैयारी में था, लेकिन कैलीफोर्निया में ट्रक की टक्कर के चलते उसकी जलकर मौत हो गई। टक्कर होते ही चिंगारी निकली और ट्रक में आग लग गई। मौत के बाद सिमरनजीत की केवल जली हुई हड्डियां मिलीं। डंकी रूट से 6 महीने में अमेरिका पहुंचा: सिमरनजीत सिंह की मौत के बाद परिवार से बातचीत के दौरान कई बातें सामने आई।

अब भारत में अपने युद्धपोत तैनात करेगा रूस

3000 सैनिकों की भी होगी तैनाती, हो गई न्यू डिफेंस डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच नया सैन्य समझौता लागू हो गया है। इसके साथ ही अब दोनों देश एक-दूसरे की जमीन पर सैनिक, युद्धपोत और सैन्य विमान तैनात कर सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक इस डिफेंस डील के तहत भारत और रूस एक-दूसरे के देश में एक समय में अधिकतम 3000 सैनिक, 5 युद्धपोत और 10 सैन्य विमान तैनात कर सकते हैं। इसे दोनों देशों के संबंधों में एक नया अध्याय माना जा रहा है। रूस के आधिकारिक कानूनी पोर्टल के मुताबिक यह नया समझौता बीते 12 जनवरी से लागू हो गया है। इससे पहले रूस में इस समझौते को मंजूरी देने वाले एक कानून को दिसंबर 2025 में पारित कराया गया था। अब यह डिफेंस डील 5 साल तक लागू रहेगी, जिसे आपसी सहमति से आगे 5

साल और बढ़ाया जा सकता है। फर्स्टपोस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि इस समझौते के तहत दोनों देश एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों, जैसे एयरबेस और पोर्ट का इस्तेमाल कर सकेंगे। जहां एक तरफ भारत को रूस के एयरबेस, यहां तक कि आर्कटिक क्षेत्र में मौजूद ठिकानों तक भी पहुंच मिलेगी, वहीं रूस को भारत के सैन्य ठिकानों का उपयोग करने की इजाजत होगी।

संयुक्त सैन्य अभ्यास, ट्रेनिंग और मानवीय मिशन शामिल

भारत और रूस के इस रक्षा समझौते में संयुक्त सैन्य अभ्यास, ट्रेनिंग और मानवीय मिशन भी शामिल हैं। साथ ही इसमें यह भी जिक्र है कि सैन्य कर्मियों और उपकरणों की तैनाती कैसे होगी और उन्हें किस तरह की लॉजिस्टिक मदद दी जाएगी। युद्धपोतों के लिए इसमें बंदरगाहों तक पहुंच, मरम्मत की सुविधा, पानी, खाना, तकनीकी संसाधन जैसी जरूरी चीजें शामिल हैं। वहीं, सैन्य विमानों के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल, नेविगेशन सिस्टम और जरूरी उड़ान से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को और मजबूत करना है। खासतौर पर भारत के पास जो रूसी हथियार और सैन्य उपकरण हैं, उनके रखरखाव और इस्तेमाल में यह समझौता मदद करेगा। इसके अलावा इससे लंबी ओवरसीज डिप्लॉयमेंट को समझने में भी मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने सीमान्त क्षेत्रों को राष्ट्रीय स्तर पर दिलाई नई पहचान : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सूर्य देवभूमि चैलेंज 2.0 कार्यक्रम में प्रतिभाग किया

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को गढ़वाल विश्वविद्यालय, चौरास परिसर, टिहरी में भारतीय सेना और उत्तराखंड पर्यटन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सूर्य देवभूमि चैलेंज के समापन समारोह में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने माणा जैसे दूरस्थ और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र का दौरा कर सीमान्त क्षेत्रों के महत्व को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने का भी कार्य किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सीमावर्ती क्षेत्र में सड़कों का व्यापक नेटवर्क तैयार किया जा रहा है, जिससे न केवल सीमांत क्षेत्रों में आवागमन सुगम हुआ है, बल्कि पर्यटन, व्यापार और सामरिक विकास को भी नई मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सूर्य देवभूमि चैलेंज में भारतीय सेना के 100 जांबाज जवानों के साथ देशभर से आए लगभग 200 साहसिक ट्रैकर्स ने प्रतिभाग किया। कहा कि हाई एल्टीट्यूड मैराथन में भाग लेने वाले लोगों ने केदार-बद्री ट्रेल में हेलंग से कलगोट, कलगोट से मंडल होते हुए ऊखीमठ तक 113 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण यात्रा में सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभागियों ने साहसिक प्रतियोगिता के साथ बद्रीनाथ, केदारनाथ धाम सहित पंच केदार को जोड़ने वाले ऐतिहासिक और आध्यात्मिक मार्ग की भी यात्रा की है। कहा कि सेना, देश की सीमाओं की रक्षा के साथ समाज और युवाओं को प्रेरित करने वाले ऐसे आयोजनों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस प्रकार के आयोजन युवाओं के भीतर अनुशासन, साहस, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राज्य में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ ही, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अंतर्गत हमारे सीमावर्ती गांवों के विकास और सशक्तिकरण की दिशा में भी अभूतपर्व कार्य किए जा रहे हैं। राज्य सरकार, राज्य में साहसिक खेलों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दे रही है। राज्य में एंगलिंग, राफ्टिंग, कयाकिंग, ट्रेकिंग, पैराग्लाइडिंग, साइक्लिंग और माउंटेनियरिंग जैसी गतिविधियों को योजनाबद्ध तरीके से बढ़ावा दे रहे हैं। इस अवसर पर विधायक विनोद कण्डारी, मध्यकमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, ओलम्पिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंद्र सिंह बेनिवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, ब्लाक प्रमुख देवप्रयाग विनोद बिष्ट, कीर्तिनगर अंचला खण्डेवाल, जिलाधिकारी टिहरी गढ़वाल नितिका खण्डेलवाल, एसएसपी श्वेता चौबे, कुलपति प्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में 300 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

इस अवसर पर मेजर पुष्पेंद्र सिंह गढ़वाल स्काउट ने बताया कि यह प्रतियोगिता सीमांत ग्रामीण क्षेत्रों में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने व पारम्परिक यात्रा मार्गों को पर्यटन से जोड़ने के उद्देश्य से किया गया। जिसके तहत 113 किलोमीटर लंबी इस कठिन प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 300 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों को दुर्गम पहाड़ी मार्गों से गुजरते हुए विभिन्न चरणों में अपनी शारीरिक क्षमता, धैर्य और कौशल का प्रदर्शन करना पड़ा। कार्यक्रम की शुरुआत 16 अप्रैल को बद्रीनाथ में आयोजित एक्सपो के साथ हुई। इसके बाद 17 अप्रैल को हेलंग से कलगोट, 18 अप्रैल को कलगोट से मंडल और 19 अप्रैल को मंडल से ऊखीमठ तक मैराथन चरण आयोजित किए गए।

टिहरी झील क्षेत्र में तीन चरणों में तैयार होगी रिंग रोड

नई टिहरी। टिहरी झील परिक्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देन के उद्देश्य से एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के सहयोग से रिंग रोड का निर्माण किया जा रहा है। तीन चरणों में रिंग रोड का निर्माण कार्य पूरा किया जाना है। पहले चरण में कोटी से डोबरा तक रिंग रोड का कार्य जारी है। एडीबी के करीब 1300 करोड़ के वित्तीय सहयोग से टिहरी झील के चारों ओर रिंग रोड का निर्माण कार्य के साथ पर्यटन गतिविधियों बढ़ावा देन के लिए अन्य कार्य किए जाने है। प्रथम चरण में कोटी कालोनी से डोबरा पुल तक करीब 16 किलोमीटर रिंग रोड तैयार की जानी है। दूसरे चरण में डोबरा–चांठी पुल से मदन नेगी–पीपलडाली और आखिरी चरण में गडोलिया–टिपरी से कोटी तक रिंग रोड़ का कार्य होना है। कोटी से डोबरा रिंग रोड़ में क्षेत्र के 9 गांवों के ग्रामीणों की भूमि और परिसंपत्तियों को अधिग्रहण किया गया है। रिंग रोड़ करीब 14 से 20 मीटर चौड़ी बनाई जानी है। पर्यटन की दृष्टि से रिंग रोड़ के किनारे फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, व्यू प्वाइंट आदि का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। मरोड़ा से डोबरा रिंग रोड़ के निर्माण कार्य के दौरान सड़क पर मलबा आने से स्थानीय लोगों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है। ग्रामीणों ने सड़क मार्ग पर नियमित पानी का छिड़काव करने के साथ सुरक्षात्मक कार्य करने की मांग की है। इस बाबत लोनिवि चंबा के अधिशासी अभियंता जगदीश खाती ने कहा कि रिंग रोड़ के दायरे में आने वाले करीब 70 प्रतिशत काश्तकारों की परिसंपत्तियों का भुगतान किया जा चुका है। मरोड़ा से डोबरा तक करीब सात किलोमीटर हिस्से की कटिंग कार्य पूरा होने के बाद सड़क की सुरक्षा दीवार का कार्य शुरु किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

बदरीनाथ धाम में एटीएस की हुई तैनाती

चमोली। चारधाम यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने के लिए बदरीनाथ धाम में एटीएस (आतंकवादी निरोध दस्ता) की तैनाती हो चुकी है। साथ ही यात्रा मार्ग से लेकर बदरीनाथ धाम तक पर्याप्त मात्रा में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है।बदरीनाथ धाम में यात्रा शुरू होने पर भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसे देखते हुए सरकार ने बहु स्तरीय सुरक्षा प्लान लागू किया है। जिले के प्रवेश मार्गों, प्रमुख व संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। जगह–जगह सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था को उच्च स्तर पर ले जाते हुए बदरीनाथ धाम में एटीएस भी तैनात कर दी गई है ताकि किसी भी तरह के खतरे पर पहले से ही सख्त निगरानी रखते हुए तुरंत एक्शन की पूरी तैयारी रहे।

बारात की बोलेरो खाई में गिरी, 11 घायल, दो गंभीर

बागेश्वर। जिले के कपकोट क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। शामा भनार के पास लाथी–माजखेत मोटर मार्ग पर कीमू गांव से धरमघर जा रही बारात की बोलेरो अचानक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में वाहन सवार 11 बाराती घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन मोड़ पर नियंत्रण खो बैठा और सीधे नीचे जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को वाहन से बाहर निकाला और इसकी सूचना प्रशासन को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और राजस्व विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। 108 एंबुलेंस सेवा के माध्यम से घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दो लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में भी चिकित्सकों को अलर्ट पर रखा गया है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय वाहन में क्षमता से अधिक लोग सवार थे, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इधर, घटना के बाद क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पहाड़ी सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए सड़क सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की मांग की है। प्रशासन ने लोगों से पहाड़ी मार्गों पर सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार तीन युवकों की मौत

रुद्रपुर। पंतनगर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात रुद्रपुर–हल्द्वानी मार्ग पर संजय वन से करीब दो किमी. पहले एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। कार काफी दूर तक स्कूटी को घसीटती ले गई। हादसे में स्कूटी सवार तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने कार चालक को हिरासत में लेकर उसका मेडिकल कराया है। उसके नशे में होने की पुष्टि हुई है। पुलिस के मुताबिक, 21 वर्षीय अनिकेत कश्यप पुत्र राजेन्द्र कश्यप निवासी महुआखेड़ा, मजरा जसपुर, 22 वर्षीय रोहन कश्यप पुत्र कमल कश्यप निवासी बगाड़ी कोतवाली रुड़की जिला हरिद्वार, 26 वर्षीय आकाश कश्यप पुत्र गंगाराम कश्यप निवासी मिलन विहार, सिविल लाइंस रामपुर यूपी अपने एक साथी की स्कूटी से रविवार देर रात करीब 12 बजे हल्द्वानी जा रहे थे। बताया जा रहा है कि युवक हल्द्वानी में एक बारात में शामिल होकर लौटे थे और मोबाइल वहां छूट जाने के कारण इसे लेने हल्द्वानी जा रहे थे।

संजय वन से लगभग 2 किलोमीटर पहले हल्द्वानी से रुद्रपुर की ओर आ रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार ने उनकी स्कूटी में सामने से टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार स्कूटी को घसीटती हुई करीब सौ मीटर तक ले गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों स्कूटी सवार घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। तीनों युवक आपस में दोस्त थे और निजी कंपनियों में कार्यरत थे। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने कार चालक को हिरासत में लेकर उसका मेडिकल कराया है। एसओ पंतनगर नंदन सिंह रावत ने बताया कि मामले में अभी परिजनों की ओर से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

पंतनगर थाना क्षेत्र में हुए हादसे में स्कॉर्पियो कार की टक्कर से स्कूटी सवार तीन युवकों की मौत हुई है। कार चालक को हिरासत में लिया गया है। उसका मेडिकल कराया गया है। मेडिकल में चालक के नशे में होने की पुष्टि हुई है। –अजय गणपति, एसएसपी ऊधमसिंह नगर

फूलों से सजने लगा बाबा केदार का धाम,फाटा से गौरीकुंड पहुंची उत्सव डोली, 22 को खुलेंगे कपाट

रुद्रप्रयाग। बाबा केदार के धाम में यात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। पूरा केदारपुरी क्षेत्र फूलों से सजाया जा रहा है। बाबा केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली सोमवार को फाटा से चलकर गौरीकुंड पहुंच गई है। सुबह बाबा की डोली पूजा के बाद अपने द्वितीय रात्रि पड़ाव गौरी माई मंदिर गौरीकुंड के लिए रवाना हुई। विभिन्न पड़ावों, बड़ासू, शेरसी, रामपुर,सीतापुर, सोनप्रयाग होते हुए करीब चार बजे शाम डोली गौरीकुंड पहुंची। प्रथम दिन डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में को पूजा अर्चना के बाद डोली केदारनाथ धाम के लिए रवाना हुई और आर्मी बैंड की धुन और भक्तों की मौजूदगी में काशी विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंची कुछ देर विश्राम के बाद बाबा की डोली आगे बढ़ी। श्रद्धालुओं ने विभिन्न कस्बों में फूल मालाओं और अक्षत से पंचमुखी उत्सव डोली का स्वागत किया। सोमवार को गौरीमाता मंदिर गौरीकुंड में डोली का रात्रि प्रवास होगा। बाबा की डोली के

पहुंचते ही बाबा के जयकारों से क्षेत्र भक्तिमय हुआ। माता पार्वती का तपस्थल है गौरीकुंडः भगवान केदारनाथ की पंचमुखी चल उत्सव डोली के गौरीकुंड पहुंचने पर गौरा माई मंदिर में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गौरीकुंड में माता पार्वती गौरा ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। यही कारण है कि केदारनाथ यात्रा में इस स्थल का विशेष स्थान है। गौरीकुंड में स्थित तप्त कुंड में श्रद्धालु स्नान कर धाम की ओर प्रस्थान करते हैं। इसके साथ ही यहां स्थित पितृ कुंड में तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

फाटा से बाबा केदार की उत्सव डोली गौरीकुंड पहुंची

रुद्रप्रयाग। बाबा केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली सोमवार को फाटा से चलकर गौरीकुंड पहुंची। यहां डोली का भव्य स्वागत किया गया। सोमवार सुबह बाबा की डोली पूजा के बाद अपने द्वितीय रात्रि पड़ाव गौरी माई मंदिर गौरीकुंड के लिए रवाना हुई। भक्तों ने फूल मालाओं से डोली का स्वागत किया। विभिन्न पड़ावों, बड़ासू, शेरसी, रामपुर,सीतापुर, सोनप्रयाग होते हुए करीब चार बजे शाम डोली गौरीकुंड पहुंची। डोली आज यहीं रात्रि प्रवास करेगी। इस अवसर पर मुख्य पुजारी टी गंगाधर लिंग, डोली प्रभारी किशन द्विवेदी, केदारसभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, मंदिर के मठापति संपूर्णानंद गोस्वामी, मायाराम गोस्वामी, गौरी माता मंदिर पुजारी विजय राम गोस्वामी, प्रबंधक कैलाश बगवाड़ी आदि मौजूद रहे।

केदारनाथ रूट पर दौड़ानी पड़ी 15 अतिरिक्त बसें

ऋषिकेश। केदारनाथ रूट पर सोनप्रयाग के लिए अचानक सोमवार को यात्रियों की तादाद बढ़ गई। बस अड्डे और इंद्रमणि बड़ोनी चौक पर यात्रियों की भीड़ जुटने की जानकारी जैसे ही लोकल रोटेशन कार्यालय तक पहुंची तो फिर मार्ग पर 15 अतिरिक्त सेवाओं को दौड़ाया गया, जिसके बाद यात्रियों को राहत मिली। सुबह से ही बस अड्डे और दून मार्ग स्थित इंद्रमणि बड़ोनी चौक पर सोनप्रयाग के लिए यात्रियों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था। दोपहर होते–होते यात्रियों की भीड़ बढ़ी, तो रूट पर चलने वाली नियमित दस बस सेवाएं भी कम पड़ गई। बसों का टोटा होते ही सीटों के लिए मारामारी की स्थिति पैदा हो गई, जिसके बाद लोकल रोटेशन कार्यालय फौरन हरकत में आया। मार्ग पर 15 अतिरिक्त बसों को चलाया गया।

क्षत्रिय संदेश के 18वें अंक का विमोचन

देहरादून। ननूरखेड़ा स्थित महाराणा प्रताप भवन में क्षत्रिय चेतना मंच की स्मारिका 'क्षत्रिय संदेश' के 18वें अंक का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि समाजसेवी राजेंद्र सिंह खत्री, कार्यकारी अध्यक्ष ठाकुर सुरेंद्र सिंह तोमर व मुख्य संपादक ठाकुर रवि सिंह नेगी (एडवोकेट) ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।खत्री ने युवाओं से सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। वहीं, रवि सिंह नेगी ने कहा कि पत्रिका का उद्देश्य संवादहीनता खत्म कर इतिहास संजोना है। आयोजन सचिव महेश रौथान व युवा अध्यक्ष बलवीर सिंह रावत ने किया, जबकि संचालन उपाध्यक्ष अशोक वर्धन सिंह ने किया। इस दौरान सुशील कुमार त्यागी, डॉ. अर्जुन सेंगर, डॉ. आरसीएस बिष्ट व उमेश रावत ने अपने विचार रखे।मौके पर देवेंद्र पुंडीर, श्याम जी यादव, दिगंबर सिंह नेगी, सुभाष चौहान, राम अवतार सिंह, चंद्रपाल सिंह जामवाल, शिव सिंह रावत, अनूप चौहान, आशुतोष चौहान, एडवोकेट सुधीर मित्तल, अनीता नेगी (प्रचार सचिव), रितु चौहान, मंजू धीमान, मिनीषा तोमर और आराध्या समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

पीएमआर विभाग में मिले डॉक्टर, मरीजों को राहत

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल के फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (पीएमआर) विभाग में लंबे समय से डॉक्टर की कमी दूर हो गई है। सोमवार को डॉ. राहुल शर्मा ने विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर ज्वाइन कर लिया है। वह लंबे समय से एम्स ऋषिकेश में सेवाएं दे रहे थे। विभाग में डॉ. अभिषेक चौधरी के जाने के बाद से कोई भी विशेषज्ञ डॉक्टर तैनात नहीं था। विभाग की ओपीडी और अन्य सेवाएं प्रभावित हो रही थीं। उनके आने से जन्मजात दिव्यांगता या दुर्घटना के बाद शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के पुनर्वास, लकवा और स्पाइनल इंजरी, जोड़ों और मांसपेशियों के इलाज समेत अन्य मरीजों को राहत मिलेगी।

जनगणना 2027: स्वगणना के माध्यम से सशक्त भागीदारी की ओर कदम

देहरादून। राज्य के कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने जनगणना 2027 के अंतर्गत स्वगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करते हुए स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज की। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे भी 24 अप्रैल तक स्वगणना प्रक्रिया में शामिल होकर एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाएं। उन्होंने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश के समग्र विकास की आधारशिला है। प्रत्येक नागरिक द्वारा दी गई सटीक जानकारी ही भविष्य की योजनाओं, नीतियों और विकास कार्यों की दिशा तय करती है। मंत्री सुबोध उनियाल ने बताया कि इस बार सरकार द्वारा स्वगणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे नागरिक अपने मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। यह पहल न केवल प्रक्रिया को सरल बनाती है, बल्कि पारदर्शिता और सटीकता भी सुनिश्चित करती है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे केवल भारत सरकार की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही अपनी स्वगणना करें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी

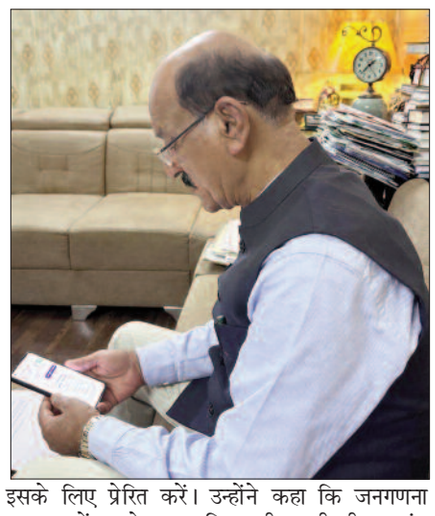

इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जनगणना 2027 में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है और यह हम सभी की साझा जिम्मेदारी है कि हम इस राष्ट्रीय कार्य को सफल बनाएं।

आईआईटी रुड़की और उत्तराखंड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के बीच हुआ एमओयू

अंतरिक्ष विज्ञान एवं जियोस्पेशियल तकनीक में सहयोग को बढ़ावा

देहरादून। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) ने उत्तराखंड स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य अंतरिक्ष विज्ञान एवं जियोस्पेशियल अनुप्रयोगों के क्षेत्र में अकादमिक, वैज्ञानिक और अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करना है। यह समझौता प्रो. कमल किशोर पंत, निदेशक, आईआईटी रुड़की, तथा प्रो. दुर्गेश पंत, निदेशक, यूएसएसी द्वारा आईआईटी रुड़की परिसर में हस्ताक्षरित किया गया। इस अवसर पर सेंटर फॉर स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रमुख प्रो. संजय एच. उपाध्याय एवं डॉ. प्रियदर्शी उपाध्याय भी उपस्थित रहे। इस सहयोग के अंतर्गत तीन प्रमुख क्षेत्रों–अकादमिक एवं अनुसंधान सहयोग, एम.टेक एवं पीएचडी छात्रों का संयुक्त मार्गदर्शन, तथा सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं का संयुक्त आयोजन–पर कार्य किया जाएगा। दोनों संस्थान वैज्ञानिक ज्ञान, संकाय एवं तकनीकी

विशेषज्ञता के आदान–प्रदान के साथ–साथ शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों की क्षमता निर्माण को भी प्रोत्साहित करेंगे। अकादमिक एवं अनुसंधान सहयोग के तहत अंतरिक्ष अनुप्रयोग, जियोस्पेशियल तकनीक, जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में संयुक्त शोध एवं पायलट परियोजनाएँ संचालित की जाएंगी। आईआईटी रुड़की के छात्रों को यूएसएसी में इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट कार्य एवं शोध अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उन्हें प्रयोगशालाओं और व्यावहारिक अनुभव का लाभ मिलेगा। समझौते के तहत स्नातकोत्तर एवं डॉक्टोरल छात्रों का संयुक्त मार्गदर्शन भी किया जाएगा, जिसमें दोनों संस्थानों के संकाय और वैज्ञानिक मिलकर छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे। साथ ही, छात्रों को दोनों संस्थानों की सुविधाओं का उपयोग करने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त, दोनों संस्थान सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशालाएँ एवं अल्पकालिक पाठ्यक्रम संयुक्त रूप से आयोजित करेंगे। यह साझेदारी उत्तराखंड राज्य में अंतरिक्ष विज्ञान एवं तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के साथ–साथ अनुसंधान को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

प्रशासन और प्रभावितों की बैठक रही बेनतीजा

चमोली। नगर के सुभाषनगर, बहुगुणानगर, अपर बाजार के भू–धंसाव प्रभावितों के पुनर्वास और मुआवजे को लेकर सोमवार को ब्लॉक सभागार में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में एक राय नहीं बन पाई।

जिलाधिकारी गौरव कुमार और विधायक अनिल नौटियाल की उपस्थिति में हुई बैठक में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जब तक सभी प्रभावित परिवार एकमत होकर लिखित प्रस्ताव नहीं देते तब तक मुआवजे और विस्थापन की अग्रिम कार्यवाही शुरू करना संभव नहीं होगा। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी गौरव कुमार ने प्रभावित परिवारों से सीधा संवाद किया। इस दौरान किसी प्रभावित ने मुआवजा देने, किसी ने विस्थापन की मांग उठाई। इस पर डीएम ने कहा कि सभी प्रभावित परिवार आपसी सहमति से क्षतिग्रस्त मकानों के मुआवजे और संभावित विस्थापन के संबंध में एक लिखित प्रस्ताव तैयार करें। इसी प्रस्ताव के आधार पर शासन को फाइल भेजी जाएगी जिससे नियमानुसार उपचार (ट्रीटमेंट) और पुनर्वास की कार्रवाई हो सकेगी। विधायक अनिल नौटियाल ने बताया कि उन्होंने कर्णप्रयाग भू–धंसाव के गंभीर मामले को लेकर मुख्यमंत्री से वार्ता की थी।

गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा डिम्मर से रवाना

चमोली। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर डिम्मर में महाभिषेक पूजा और बाल भोग अर्पित करने के बाद गाडू घड़ा तेल कलश की द्वितीय चरण की यात्रा का शुभारंभ हुआ। सोमवार सुबह बदरीनाथ धाम के डिमरी पुजारियों ने जय बदरी विशाल... के जयकारे लगाए और यात्रा ने धाम के लिए प्रस्थान किया। देर शाम यात्रा नृसिंह मंदिर ज्योतिर्मठ पहुंची।

सोमवार को बीकेटीसी के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद डिमरी ने गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा को बदरीनाथ धाम के लिए रवाना किया। यात्रा के श्री टंटेश्वर महादेव मंदिर डिम्मर में पहुंचने पर महंत योगेशानंद महाराज ने पूजा–अर्चना की। विद्यापीठ, सिमली में पहुंचने पर प्रधान डिम्मर विनीता देवी, शशि देवी, संतोषी खंडूड़ी, भुवनेश्वरी खंडूड़ी, रंजना देवी आदि ने यात्रा का स्वागत किया और तेल कलश के दर्शन किए। केंद्रीय पंचायत के वरिष्ठ सदस्य गोवर्धन प्रसाद डिमरी, प्रकाश चंद्र डिमरी ने बताया कि गाडूघड़ा तेल कलश यात्रा उमट्टा, लंगासू, नंदप्रयाग, चमोली, बिरही, पाखी, रविग्राम होते हुए देर शाम रात्रि प्रवास के लिए नृसिंह मंदिर ज्योतिर्मठ पहुंची। 21 अप्रैल को ज्योतिर्मठ से गाडू घड़ा तेल कलश, शंकराचार्य की गद्दी व बदरीनाथ के रावल रात्रि प्रवास के लिए योगध्यान मंदिर पांडुकेश्वर पहुंचेंगे।

प्रसव पीड़ा से जूझ रही गर्भवती को एयरलिफ्ट कर भेजा देहरादून

चमोली। चमोली के दूरस्थ गांव बलाण में सड़क नहीं होने से बलाण के लोग करीब दो किमी पैदल चलते हैं। ऐसे में प्रसव पीड़ा से जूझ रही गर्भवती को हेली से देहरादून अस्पताल भेजा गया। सोमवार को बलाण गांव की तुलसी देवी (32) को सुबह अचानक प्रसव पीड़ा हुई। प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला का घर सड़क मार्ग से करीब ढाई किमी दूरी होने से ग्रामीणों ने क्षेत्र के विधायक भूपाल राम टम्टा व ब्लॉक प्रमुख तेजपाल रावत से महिला को एयरलिफ्ट करने की मांग की। विधायक के प्रयास के बाद शाम करीब 4 बजकर 50 मिनट में हेली बलाण गांव पहुंची। ग्राम प्रधान खीम राम व बीडीसी मेंबर प्रदीप दानू ने बताया कि प्रसव पीड़ित महिला को एयरलिफ्ट कर देहरादून ले गए। जिसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने राहत ली।

यात्रा पर आने वाले लोगों को कूड़ेदान वितरित करेगा परिवहन विभाग

चमोली। चारधाम यात्रा के लिए परिवहन विभाग सुरक्षित यातायात के साथ लोगों को स्वच्छता का संदेश भी देगा। परिवहन विभाग बदरीनाथ धाम यात्रा के शुभारंभ पर चारधाम पर आने वाले चालकों को कूड़ेदान वितरित करेगा। यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ ही श्रद्धालुओं से स्वच्छता की भी अपील करेंगे। साथ ही सुरक्षित यातायात की जानकारियों के लिए अलग–अलग स्थानों पर होर्डिंग्स भी लगाई जाएगी। वहीं नियमित रूप से चेकिंग अभियान भी चलाया जाएगा। 23 अप्रैल को बदरीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएंगे। बदरीविशाल के दर्शनों के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु अपने वाहनों से यहां पहुंचते हैं।

एक नजर

स्किल डेवलपमेंट अत्यंत आवश्यक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के डॉ. बीजीआर परिसर में सोमवार को नांदी फाउंडेशन की ओर से एम्प्लायबिलिटी स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान नांदी फाउंडेशन के ट्रेनर हर्षवर्धन सैनी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों और युवाओं के लिए इसकी उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में परिसर निदेशक प्रो. उमेश चंद्र गैरोला ने कहा कि किसी भी नए कौशल को सीखने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि सीखने की प्रक्रिया आजीवन चलने वाली होती है, जिससे व्यक्ति निरंतर प्रगति करता है। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. किरन बाला ने कहा कि वर्तमान समय में स्किल डेवलपमेंट अत्यंत आवश्यक हो गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ल्हामु टीशेरिंग दुकपा ने किया। कार्यक्रम में प्रो. एससी गैरोला, प्रो. एमसी पुरोहित, प्रो. रेखा नैथानी, डॉ. पूनम बिष्ट, डॉ. जया उनियाल, डॉ. धारणा, डॉ. ममता आनंद, डॉ. स्वाति आदि मौजूद रहे।

बच्चों को गढ़वाली भाषा से जोड़ने की अपील

श्रीनगर गढ़वाल : लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र की ओर से आयोजित 'नरेन्द्र संगीत सप्ताह' के चौथे दिन के कार्यक्रम का विधायक विनोद कंडारी ने शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी भाषा, संस्कृति और जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को मातृभाषा से जोड़ना आवश्यक है तभी उनमें संस्कार विकसित होंगे। उन्होंने अभिभावकों से गढ़वाली भाषा, पारंपरिक खान-पान और वेशभूषा से बच्चों को जोड़ने की अपील की। उन्होंने लोकगायक नरेंद्र सिंह नेगी के गीतों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनमें पहाड़ की संस्कृति और जीवनशैली का सजीव चित्रण मिलता है। कार्यक्रम में अंजलि खरे सहित विभिन्न प्रतिभागियों ने लोकगीतों की प्रस्तुतियां दीं। मां-बेटी सरिता और अंजलि अणथ्वाल की संयुक्त प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। (एजेंसी)

कांग्रेस ने दिया धरने को समर्थन

श्रीनगर गढ़वाल : तहसील मुख्यालय कीर्तिनगर में पिछले 20 दिनों से जारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के धरना-प्रदर्शन को कांग्रेस का समर्थन मिला है। सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग के जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने धरनास्थल पहुंचकर आंदोलनरत कर्मियों के साथ एकजुटता जताई। इस दौरान असवाल ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जिलाध्यक्ष ने क्षेत्रीय विधायक पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जब देवप्रयाग विधानसभा की मातृशक्ति 20 दिनों से आंदोलनरत है तब जनप्रतिनिधि कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी इस संघर्ष में कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी है और वर्ष 2027 में सरकार बनने पर उनकी मांगों को प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा। इस मौके पर आंगनबाड़ी अध्यक्ष नीलम नेगी, रामलाल नौटियाल, सरस्वती देवी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

केदारनाथ में आंचल डेयरी के उत्पाद मिलेगें

श्रीनगर गढ़वाल : केदारनाथ धाम आने वाले श्रद्धालुओं को अब धाम में ही स्थानीय आंचल डेयरी के उत्पाद भी उपलब्ध होंगे। केदारनाथ मंदिर परिक्षेत्र में प्रशासन की ओर से आंचल डेयरी के उत्पादों की बिक्री के लिए एक दुकान आवंटित की गई है जहां जल्द ही आंचल कैफे खोला जाएगा। कैफे में दूध, दही, घी, पनीर समेत डेयरी के सभी प्रमुख उत्पाद मिलेंगे। आंचल डेयरी, श्रीनगर के प्रधान प्रबंधक श्रवण कुमार ने बताया कि इस संबंध में सोमवार को जिला मुख्य विकास अधिकारी के साथ बैठक हुई। प्रशासन की ओर से केदारनाथ में कैफे खोलने और उत्पादों की बिक्री को लेकर दिशा-निर्देश मिले हैं। इससे स्थानीय रोजगार को भी बल मिलेगा। उन्होंने बताया कि गौरीकुंड से केदारनाथ तक सामान घोड़े-खच्चरों के माध्यम से पहुंचाया जाएगा। तीर्थयात्रियों को उचित दाम पर सामान मिले इसके लिए प्रशासन से रेट को लेकर भी स्पष्ट निर्देश मिले हैं। आंचल कैफे पर रेट लिस्ट भी चस्पा की जाएगी। (एजेंसी)

यमुनोत्री धाम : बदहाल घोड़ा पड़ाव, खुले में रात बिताने को मजबूर

उत्तरकाशी। कपाट खुलने के बाद भी यमुनोत्री धाम में घोड़ा पड़ाव की ऊपरी मंजिल बदहाल स्थिति में है। इससे मजदूर खुले में बैठने को मजबूर हैं। जिला पंचायत ने घोड़ा पड़ाव को व्यवस्थित नहीं रखा है। वहां पर सफाई तक नहीं की है। सीढ़ियां भी टूटी-फूटी हालत में है। यमुनोत्री धाम में जिला पंचायत की ओर से कुली एजेंसी के मजदूरों के लिए काफी समय पहले घोड़ा पड़ाव बनाया गया था। इसके ऊपरी मंजिल पर ठहरने, रुकने की व्यवस्था रहती है लेकिन धरातल पर आलम यह है कि लाखों का राजस्व के बाद भी मजदूरों की सुविधा के लिए बनाया गया घोड़ा पड़ाव बदहाल स्थिति में है। ऊपरी मंजिल पर जगह-जगह जला कूड़ा करकट बिखरा पड़ा है। इसके अलावा सीढ़ी भी टूटी हुई होने ऊपरी मंजिल पर आने-जाने की दिक्कत हो रही है। इस पर मजदूरों ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उनका कहना है कि घोड़ा पड़ाव में सफाई नहीं होने से वे आराम नहीं कर पा रहे।

यमुनोत्री धाम के लिए मास्टर प्लान की उठी मांग

उत्तरकाशी। यमुनोत्री मंदिर धाम के विकास कार्यों में हो रही देरी और समन्वय की कमी को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने गहरी नाराजगी जताई है।
जनप्रतिनिधियों ने यमुनोत्री धाम का एक विस्तृत मास्टर प्लान तैयार कर उसे भारत सरकार को भेजने की मांग रखी है। मंदिर समिति के संरक्षक ज्योति प्रसाद उनियाल, पंच पंडा समिति के पूर्व अध्यक्ष मनमोहन उनियाल और रावल आशीष उनियाल ने जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान, दर्जाधारी रामसुंदर नौटियाल और श्याम डोभाल से मुलाकात कर धाम के समग्र विकास पर गंभीर चर्चा की।

धोखाधड़ी का ईनामी आरोपी गाजियाबाद से गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोतवाली पुलिस ने बोहरा ग्रामीण विकास निधि लिमिटेड के माध्यम से आमजन के साथ धोखाधड़ी करने वाले और एक साल से फरार चल रहे ईनामी आरोपी को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में पौड़ी जेल भेज दिया है। इस मामले में पुलिस अब तक मुख्य आरोपी सहित छः आरोपियों को जेल भेज चुकी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 5 सितंबर 2024 को स्थानीय निवासी वादिनी यास्मीन द्वारा कोतवाली में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया। जिसमें उन्होंने बताया कि बोहरा कंपनी के निदेशक के कहने पर उन्होंने माह सितम्बर 2023 से सितम्बर 2024 तक कंपनी में एक वर्ष की अवधि हेतु खाता खोलकर सौ रूपये प्रतिदिन के हिसाब से कुल 36,500 रूपये जमा किए। निर्धारित समय पूर्ण होने के पश्चात भी कंपनी द्वारा ब्याज सहित धनराशि वापस नहीं की गई तथा कंपनी के संचालक कार्यालय बंद कर फरार हो

कोटद्वार पुलिस की गिरफ्त में धोखाधड़ी का आरोपी

गए। इस पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज जांच शुरू कर दी। मामले की जांच करते हुए पुलिस मुख्य आरोपी दिलीप सिंह बोहरा तथा उसके चार सहयोगियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इस मामले में एक आरोपी प्यारेराम एक साल से फरार चल रहा था, जिस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी द्वारा 2500 रूपये का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार ठाकुर एवं क्षेत्राधिकारी निहारिका सेमवाल के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों एवं सर्विलांस की सहायता से आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश देते हुए आरोपी प्यारे राम पुत्र छोटेराम, हाल निवासी माजरी लालतप्पड़, डोईवाला देहरादून को रविवार को गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारशुदा आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

माँ भगवती महिषासुर मर्दिनी मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए खुला माँ का दरबार

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला मुख्यालय में मां भगवती महिषासुर मर्दिनी मंदिर की विधि-विधान से स्थापना संपन्न हो गई है। साथ ही अब मां का दरबार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। क्यूं कालेश्वर महादेव मंदिर के महंत अभय चेतन्यानंद मुनि महाराज ने बताया कि विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा और भंडारे के साथ चार दिवसीय स्थापना महोत्सव संपन्न हो गया है। अब मंदिर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए नियमित रूप से खुला रहेगा।

सोमवार को जिला अस्पताल के समीप निर्मित मंदिर में मां महिषासुर मर्दिनी की मूर्ति की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसके अलावा मंदिर परिसर में भगवान हनुमान, श्रीगणेश सहित तीन चल विग्रह मूर्तियों की भी स्थापना की गई। महोत्सव के समापन अवसर पर माता मूर्ति पूजन, हवन, आरती और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व 17 अप्रैल को लक्ष्मीनारायण मंदिर, कोटद्वार रोड से जल कलश यात्रा के साथ चार दिवसीय मंदिर स्थापना महोत्सव का शुभारंभ हुआ था। 18 अप्रैल को वैदिक ब्राह्मणों द्वारा स्थापना एवं भद्रपूजन के साथ माता की मूर्ति का जलाधिवास, अन्नाधिवास, फलाधिवास और औषधाधिवास कराया गया। वहीं 19 अप्रैल को पंचांग पूजन, पुष्पाधिवास, धनाधिवास और शिखर कलशारोहण के बाद सायंकाल से मां भगवती महिषासुर मर्दिनी की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान शुरू हुआ, जो सोमवार को विधिवत पूर्ण हुआ।

अभिभावकों ने किया एबीईओ कार्यालय में प्रदर्शन

आरटीई के तहत प्रवेश की नई सूची जारी करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सोमवार को क्षेत्र के अभिभावकों ने शिक्षा विभाग की मनमानी के विरोध में बीआरसी सुखरो स्थित एबीईओ कार्यालय में प्रदर्शन किया। जल्द नई सूची जारी करने की मांग करते हुए एबीईओ वर्षा भारद्वाज को ज्ञापन सौंपा है। अभिभावकों ने कहा कि क्षेत्र के प्राइवेट स्कूलों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रवेश सूची में केवल ओबीसी वर्ग के मुस्लिम बच्चों के नाम होने से सामान्य समेत अन्य वर्गों के बच्चों को पास के विद्यालयों में प्रवेश नहीं मिल पा रहा है। सोमवार को क्षेत्र के अभिभावक पार्षद विपिन डोबरियाल व हिमांशु वर्मा के नेतृत्व में बीआरसी सुखरो स्थित एबीईओ कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। अभिभावकों का कहना है कि क्षेत्र में स्थित ब्लूमिंग वेल में आरटीई के तहत प्रवेश के लिए सभी 10 सीटों पर ओबीसी वर्ग मुस्लिम बच्चों का चयन किया गया है। वहीं हेड हेरिटेज में 12 सीटों पर भी दो बच्चों को छोड़कर अन्य सभी सीटों पर मुस्लिम बच्चों का प्रवेश दिया गया है। यही स्थिति क्षेत्र के अन्य विद्यालयों की भी है। सूची में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की ओर से अन्य वर्गों के बच्चों को नकारकर 95 फीसदी मुस्लिम बच्चों को शामिल किया गया है। इससे अन्य वर्गों के बच्चों को इन नजदीकी विद्यालयों में प्रवेश नहीं मिल पा रहा है। अभिभावकों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मामले में एबीईओ कार्यालय में लिपिक के पद पर कार्यरत एक मुस्लिम कर्मचारी की संलिप्तता पाई गई है। अभिभावकों ने आरटीई की नई लिस्ट जारी करने व आरोपी लिपिक को हटाने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों में लक्ष्मी नेगी, पूनम देवी, उषा शर्मा, ममता, रौनिका, मीरा चौहान, प्रियंका आदि शामिल रहे।

शिक्षा विभाग को मिलेंगे कनिष्ठ सहायक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : शिक्षा विभाग को जल्द ही 44 कनिष्ठ सहायक मिल जाएंगे, जिससे विभागीय कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। सोमवार को शिक्षा परिसर में राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक दस्तावेजों की जांच की गई। अपर निदेशक प्रारंभिक शिक्षा गढ़वाल कंचन देवराड़ी ने बताया कि गढ़वाल मंडल को 44 चयनित कनिष्ठ सहायक प्राप्त हुए हैं। कहा कि दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होते ही चयनित अभ्यर्थियों को जल्द तैनाती दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी चयनित कार्मिकों की पहली तैनाती दुर्गम क्षेत्रों में की जाएगी। गढ़वाल मंडल के सात जिलों में इनकी नियुक्ति से विभागीय कार्यों के संचालन में मजबूती आएगी और लंबित कार्यों के निस्तारण में भी तेजी आएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोतवाली पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में पौड़ी जेल भेज दिया है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि विगत 18 अप्रैल को कोटद्वार निवासी पीड़िता के पिता ने कोतवाली कोटद्वार में एक लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी नाबालिग पुत्री के साथ एक व्यक्ति ने उसके घर में दुष्कर्म किया। आरोपी उसे बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। पुलिस ने मामले में बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था। एसएसपी के निर्देश पर गठित एक विशेष पुलिस टीम ने सघन जांच, तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्र की। इनके आधार पर आरोपी मिलेश चौहान उर्फ आर्यन चौहान पुत्र राजपाल सिंह निवासी नजीमपुर, पोस्ट ऑफिस जलालाबाद, जनपद बिजनौर, उत्तर प्रदेश की संलिप्तता की पुष्टि हुई। पुलिस टीम ने मामले में त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को नींबूचौड़ पुल से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक प्रीति गुसांई, कांस्टेबल अनुज वर्मा शामिल थे।

25 मई को होगी ताड़केश्वर बाबा की ग्रीष्मकालीन पूजा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जयहरीखाल ब्लॉक में ताड़केश्वर बाबा की ग्रीष्मकालीन पूजा इस बार ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष में रविवार 24 मई को श्रद्धा और उल्लास के साथ होगी। इस दिन श्रद्धालु अपनी उपज के अग्रांश को अग्याल के रूप में बाबा को अर्पित करते हैं। क्षेत्र में इसके बाद ही नई उपज का उपभोग करने की परंपरा रही है। पूजा से पूर्व मंदिर परिसर व स्नानकुण्डों की साफ-सफाई और परिसर की साज-सज्जा की विशेष व्यवस्था करने का का निर्णय लिया गया। साथ ही मंदिर के विकास में उल्लेखनीय योगदान करने वाले प्रमुख व्यक्तियों को सम्मानित करने का निर्णय भी लिया गया। श्री ताड़केश्वर धाम सांस्कृतिक एवं विकास समिति की बैठक में आगामी 24 मई को होने वाली ग्रीष्मकालीन पूजा की तैयारियों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक

में मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित वीरेंद्र सकलानी ने जानकारी दी कि इस बार ताड़केश्वर बाबा की ग्रीष्मकालीन पूजा का दिन येष्ठ शुक्ल पक्ष में रविवार 24 मई को निश्चित हो गया है। यह पूजा ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष में 24 मई रविवार को पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न होगी। इस दिन क्षेत्र के श्रद्धालुजन अपनी उपज के अग्रांश को अग्याल के रूप में बाबा को अर्पित करते हैं। क्षेत्र में इसके बाद ही नई उपज का उपभोग करने की परंपरा रही है। बैठक में कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए मुख्य पुजारी वीरेंद्र सकलानी व द्वितीय पुजारी संदीप कुमार सकलानी के साथ ही तेजेन्द्र सिंह (ग्वीलाणी), पंडित उमेश खंतवाल (कंडिया), विभाष चंद्र व वाचस्पति खंतवाल (बबीना), महिपाल सिंह चौहान (घोटला), पंडित सूर्यप्रकाश भारद्वाज (मंज्याड़ी) को कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया। समिति के अध्यक्ष जीतेन्द्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक का संचालन सचिव संतोष खंतवाल ने किया। बैठक में पुजारी संदीप कुमार, उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह, सुरेश ध्यानी, सहसचिव श्रीमती उषा चौहान, कोषाध्यक्ष गोविंद सिंह, धनपाल सिंह चौहान, उमेश चंद्र खंतवाल, तेजेन्द्र सिंह आदि मौजूद थे।

समाज कार्य विषय को पाठयक्रम संचालित करने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड समाज कार्य परिषद के महासचिव अतुल सती ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपकर राज्य के विश्वविद्यालयों एवं संबद्ध परिसरों में समाज कार्य (सोशलवर्क) विषय का पाठ्यक्रम संचालित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि समाज कार्य एक स्किल आधारित और रोजगारपरक विषय है जो उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस विषय के माध्यम से युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और पलायन की समस्या को कम करने में भी मदद मिलेगी। अतुल सती ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी समाज कार्य जैसे अंतर-विषयक और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने पर जोर देती है। (एजेंसी)

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विपक्ष पर बरसी

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सचि भट्ट प्रेसवार्ता कर विपक्ष पर बरसीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर लाया गया 33 प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक विपक्ष के विरोध के कारण पारित नहीं हो सका जो महिलाओं के हितों के खिलाफ है। अब जिला स्तर पर 25 से रैलियां निकाली जाएंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक महिलाओं को नीति निर्धारण में सशक्त भागीदारी देने वाला था, लेकिन विपक्ष ने संकीर्ण राजनीति के कारण इसे रोक दिया। बिल पास न होने के बाद विपक्ष की ओर से खुशी मनाना उनकी मानसिकता को दर्शाता है। भट्ट ने कहा कि विपक्ष नहीं चाहता कि महिलाएं नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ें। विधेयक को पारित न होने देने के विरोध में प्रदेशभर में महिलाओं में आक्रोश है। 24 अप्रैल को देहरादून में प्रदेश स्तरीय आक्रोश रैली आयोजित की जाएगी। इस रैली में पूरे प्रदेश से करीब 10 हजार महिलाएं शामिल होंगी। इसके बाद 25 से 27 अप्रैल तक जिला स्तर और 28 से 30 अप्रैल तक मंडल स्तर पर रैलियां निकाली जाएंगी। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं और आम महिलाओं से रैलियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। इस मौके पर बबली चौहान, प्रमिला भंडारी, शशि जुयाल, अनीता बुढ़ाकोटी, विनय घिल्डियाल, गणेश भट्ट, शुभम प्रभाकर, ललिता नेगी, प्रीति बडोनी, रेखा रावत आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

धराली के आपदा प्रभावितों को मिलीं दुकानें

उत्तरकाशी। जिला प्रशासन की ओर से आपदा प्रभावित धराली गांव के दस लोगों को बाढ़ संभावित क्षेत्र हर्षिल तेलगाड़ के समीप दुकानें आवंटित की है। ग्रामोत्थान योजना के तहत लॉटरी सिस्टम से यह दुकानें वितरित की गई। इससे आपदा प्रभावित लोगों को चारधाम यात्रा के दौरान रोजगार मिल पाएगा। हालांकि जिस स्थान पर यह स्थापित की जा रही है वहां पर तेलगाड़ नदी के साथ ही भागीरथी नदी में बनी झील के जलस्तर का बढ़ने का खतरा बना है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर ग्रामोत्थान योजना के तहत करीब 17 लाख की लागत से बीस दुकानें खरीदी हैं। इसमें दस का संचालन हीना बैरियर में किया जाएगा। साथ ही अन्य दस का संचालन आपदा प्रभावित धराली गांव के लोग करेंगे। धराली के प्रधान अजय नेगी ने बताया कि प्रशासन की ओर से गांव से दस लोगों के नाम मांगे गए थे। उसके बाद ग्राम पंचायत की ओर से अगस्त में आई आपदा के कारण मलबे में दब गए 39 होटलों के संचालकों की सूची तैयार की गई।

उसके बाद लॉटरी के माध्यम से दस लोगों का चयन किया गया। इसके बाद प्रशासन की ओर से हर्षिल में तेलगाड़ के समीप वे साइड क्यूसेक पहुंचा दिए गए हैं। वहां पर स्थान जिलाधिकारी की ओर से तय किया गया है। इससे आपदा प्रभावित लोगों को चारधाम यात्रा के दौरान रोजगार की एक उम्मीद जगी है।

लचर पड़ी है राजकीय बेस अस्पताल की आईसीयू सेवाएं

कोटद्वार। गढ़वाल के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों के मरीजों को राजकीय बेस अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) का व्यापक लाभ नहीं मिल पा रहा है। दरअसल एकमात्र चार बेड का आईसीयू ही संचालित है और 10 बेड क्षमता का बंद पड़ा है। बेड खाली नहीं होने पर मरीजों को हायर सेंटर के लिए रेफर करना पड़ रहा है।

गत वर्ष गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने बेस अस्पताल की चौथी मंजिल पर स्थापित आईसीयू का उद्घाटन किया था। उन्होंने आईसीयू में मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं एवं उपचार सुविधा के संबंध में जानकारी की थी। साथ ही अस्पताल में चिकित्सकों की कमी को दूर कर अस्पताल के सभी विभागों और आईसीयू यूनिट को पूरी क्षमता से चलाने के प्रति आश्वस्त किया था। बीते एक वर्ष में एक-एक कर विशेषज्ञ चिकित्सकों की संख्या तो बढ़ी लेकिन फिजिशियन की कमी अभी भी बनी हुई

है जिसका सीधा असर आईसीयू संचालन पर पड़ रहा है। इस समय अस्पताल में संचालित चार बेड के आईसीयू में कोई फिजिशियन तैनात नहीं है। फार्मासिस्ट और अन्य स्टाफ ही व्यवस्थाओं को संचालित कर रहे हैं। आपात स्थिति में या फिर राउंड के दौरान ओपीडी से ही फिजिशियन आईसीयू में पहुंचते हैं। वहीं, फिजिशियन एवं अन्य संसाधनों की कमी के कारण अस्पताल की बड़ी आईसीयू यूनिट बंद पड़ी है। ऐसे में अस्पताल में आने पर गंभीर रोगियों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर के लिए रेफर करना अस्पताल प्रशासन की मजबूरी बना हुआ है। मरीजों अजय माहेश्वरी एवं रानी आदि का कहना है कि लंबे समय तक बेस अस्पताल में इलाज कराने आने के बाद जब उन्हें आईसीयू जैसी आपात सुविधा नहीं मिल पाई, तो उन्हें मजबूरन मेरठ और देहरादून जाना पड़ा।

ढाबों, रेस्तरां संचालकों के समक्ष समस्या खड़ी

उत्तरकाशी : गंगोत्री धाम और यात्रा रूट पर स्थित ढाबों, रेस्तरां संचालकों को रसोई गैस सिलेंडर नहीं मिलने के कारण उनके सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। उनका कहना है कि व्यवसायिक सिलेंडर नहीं मिलने से कारोबार प्रभावित हो रहा है। जिला पूर्ति विभाग और एजेंसियों की ओर से मात्र होटल एसोसिएशन के लोगों को सिलेंडर दिए जा रहे हैं।

गंगोत्री धाम सहित यात्रा रूटों पर जिला पूर्ति विभाग और प्रशासन की ओर से व्यवसायिक गैस सिलिंडर वितरण में दोहरे मापदंडों के तहत वितरण किया जा रहा है। विभाग की ओर से मात्र पर्यटन विभाग में पंजीकृत होटल एसोसिएशन के लोगों को ही सिलेंडर की व्यवस्था दी जा रही है, लेकिन अन्य रेस्तरां सहित ढाबा संचालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी जसपाल सिंह, हेमराज, अरविंद, भूपेंद्र आदि का कहना है कि इस समय चारधाम यात्रा में उनके कारोबार का समय है। लेकिन उनको अपने प्रतिष्ठान के समय जिला पूर्ति विभाग और प्रशासन के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। गंगोत्री धाम में कुछ लोग स्टोव सहित लकड़ी का प्रयोग किया जा रहा है, लेकिन सिलेंडर न मिलने के कारण यह व्यवस्था लंबे समय तक नहीं चल सकती है। साथ ही कई बार इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। गंगोत्री धाम में सरकारी गेस्ट हाउसों में इस कारण परेशानी हो रही है। कहा कि होटल एसोसिएशन की भांति सबको रसोई गैस का वितरण होना चाहिए। (एजेंसी)

जिला अस्पताल को मिली दो और नई डायलिसिस मशीन

उत्तरकाशी। विधायक सुरेश चौहान ने सोमवार को जिला अस्पताल को दो और नई डायलिसिस मशीनें दी है। अब जिला अस्पताल में आठ डायलिसिस मशीन हो गई है। अस्पताल में अच्छी संख्या में डायलिसिस मशीनें उपलब्ध होने के बाद किडनी रोग पीड़ित मरीजों को अब देहरादून और ऋषिकेश जैसे शहरों के चक्कर नही काटने पड़ेंगे। गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि जिला अस्पताल में अभी तक कोई डायलिसिस सेंटर ना होने के चलते किडनी के मरीजों को देहरादून ऋषिकेश जैसे बड़े अस्पताल में अपना इलाज कराना पड़ता था। मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। जिला मुख्यालय में डायलिसिस सुविधा न होने से कई लोगों को किराये पर कमरा लेकर अपना इलाज कराना पड़ता था। सभी मशीनों से लगभग 113 से 115 लोगों का सचल डायलिसिस निरंतर किया जा सकेगा।

विशेषज्ञों ने सिखाए कॅरियर संवारने के गुर

उत्तरकाशी। पीजी कॉलेज उत्तरकाशी में कॅरिअर काउंसलिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने कॅरिअर चुनने के गुर बताए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएफओ डीपी बलूनी ने छात्रों को बेहतर पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधक अक्षय कुमार ने छात्र-छात्राओं को बैंकिंग सेक्टर से संबंधित जॉब्स और कॅरिअर के लिए जागरूक एवं प्रोत्साहित किया। उन्होंने डेटा और फिगर के साथ बैंकिंग जॉब्स की तैयारी किस स्तर की और कैसे करनी है। इस बात की विस्तार से जानकारी दी। एडिशनल डायरेक्टर एसएफएसएल जयपुर डॉ. राजे सिंह ने विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न अवसरों पर प्रकाश डालते हुए अपने अनुभव साझा किए। अति विशिष्ट अतिथि मेजर आरएस जमनाल ने रक्षा के क्षेत्र में अवसरों को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखा। उन्होंने सेना में शामिल होने की प्रक्रिया एवं सेना में मिलने वाली सुविधाओं को साझा किया। रसायन विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. गिरीश बिष्ट ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विदेश में कैरियर के विभिन्न अवसरों के बारे में बताया।

संपादकीय

मानव हित सर्वोपरि

हमारे समाज के बुद्धिजीवी, अध्यात्मिक व सामाजिक चिंतक गाहे-बगाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मानवीय मूल्यों के क्षरण पर लगातार चिंता जताते रहे हैं। अब इस चिंता पर पोप लियो 14 की स्वीकारोक्ति ने मोहर लगायी है। उन्होंने आशंका जतायी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से वैश्विक ध्रुवीकरण, संघर्ष, भय और हिंसा को बढ़ावा मिल सकता है। उनके इस बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। ऐसे वक्त में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुविधा, गति व नवाचार के लिये सराहा जा रहा है, पोप ने चेताया है कि नैतिकता के बिना प्रौद्योगिकी घातक साबित हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि मूल रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता बुरी नहीं है, लेकिन यह तटस्थ भी नहीं है। निस्संदेह, इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता कि संस्थान व सरकारें इसे कैसे डिजाइन करती हैं और कैसे इसका उपयोग करती हैं। हाल की कुछ घटनाओं ने इन चिंताओं की पुष्टि भी की है। विभिन्न देशों के लोकतांत्रिक चुनाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक और क्लोन की गई आवाजों का प्रयोग झूठे विमर्शों को फैलाने, मतदाताओं को भ्रमित करने में किया गया। जिससे दुनिया में लोकतांत्रिक संस्थानों के प्रति जनता का भरोसा डिगा है। यह खतरनाक है कि साइबर ठगों ने क्लोनिंग उपकरणों के जरिये आवाज का उपयोग परिवार के सदस्यों व अधिकारियों के रूप में किया है। इसके जरिये साइबर अपराधियों ने पूरी दुनिया में लाखों लोगों की जीवन भर की पूंजी तक लूटी है।

विडंबना है कि जिस कार्य को अब तक तकनीकी-कौशल व संसाधनों के जरिये किया जाता था, वह तकनीक से अब आसानी व बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग भ्रामक सूचनाओं के लिये ही नहीं किया जा रहा है। आशंका है कि उन्नत एआई के जरिये वित्तीय प्रणालियों और साइबर सुरक्षा को खतरा पैदा किया जा सकता है। चिंता है कि शक्तिशाली एआई तकनीक से वित्तीय व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को निशाना बनाया जा सकता है। जिसे पकड़ना नियामक संस्थाओं के लिये मुश्किल होगा। ये स्वचालित हमले बैंकिंग नेटवर्क में धोखाधड़ी करने में सक्षम हो सकते हैं। जो हमारी डिजिटल दुनिया से भी आगे घातक प्रभाव डाल सकते हैं। जिससे देशों में वित्तीय संकट पैदा हो सकते हैं। भुगतान व्यवस्था में व्यवधान व विश्वास से छल तथा राजनीतिक दुष्प्रचार से समाज में अस्थिरता पैदा हो सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पर्यावरणीय घातक प्रभाव भी कम नहीं हैं। एआई के विस्तार के लिये विशाल डेटा केंद्रों, कोबाल्ट व लिथियम जैसे खनिजों की खुदाई की जरूरत होती है। जिसके लिये भारी पर्यावरणीय व मानवीय लागत की जरूरत होती है। निस्संदेह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में न तो इसे नकारा ही जा सकता है और न ही ये बुद्धिमत्ता का फैसला होगा, लेकिन इसका जिम्मेदारी से प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन व उत्पादकता में यह रामबाण सिद्ध हो सकती है, लेकिन यह मजबूत कानून, कंपनियों के सिस्टम की पारदर्शिता व सुरक्षा से ही निरापद हो सकती है। नागरिकों की डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना होगा।

चिंतन-मनन

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है।

सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षों में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

भारतीय शिप ईरान की आई आर जी सी सेना की गोलिबारी निंदनीय

संजय गोस्वामी

शनिवार 18 अप्रैल 26 को भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, ईरानी आईआरजीसी ने नौसेना की गनबोटों ने भारतीय ध्वज वाले टैंकरों के पास चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं भारतिय दो टैंकर पर आई आर जी सी ने गोली चला दी भारत ने होर्मुज स्ट्रेट पर दो भारतीय जहाजों पर हुई गोलीबारी की घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए देश में ईरान के राजदूत को तलब किया। हालांकि, विदेश मंत्रालय के बयान में समन शब्द का प्रयोग नहीं किया गया, लेकिन यह संकेत दिया गया कि ईरानी राजदूत फाथली को शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू भवन में विदेश सचिव से मिलने के लिए कहा गया था।भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार (18 अप्रैल) शाम को भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली को तलब किया और होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी युद्धपोतों द्वारा दो भारतीय जहाजों पर की गई गोलीबारी पर ह्यगंभीर चिंताह्न जताई है।

ये घटनाएं ऐसे समय हुईं, जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई के तौर पर इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया है। यह बंदी अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर यातायात की निरंतर नाकाबंदी के जवाब में की गई है, जबकि तेहरान ने इस सप्ताह की शुरूआत में वाणिज्यिक यातायात के लिए इस मार्ग को खोलने का निर्णय लिया था

वो जो टैंकर था वो तो आप सभी धर्मों के लोगों के लिए था ऐ बहुत ही शर्मनाक घटना है फिर भी यहाँ के लोग उसको सपोर्ट करते हैं गलत है राष्ट्र सर्वोपरि है भारत माता के लिए हमेशा हमें

शनिवार 18 अप्रैल 26 को होरमुज जलडमरूमध्य में भारत के झंडे वाले दो जहाजों पर हुई फायरिंग ने ईरान की सत्ता संरचना में बढ़ती दरार को उजागर कर दिया है। यह फायरिंग इस बात को लेकर हुई भ्रम के कारण हुई कि शनिवार को होरमुज जलडमरूमध्य खुला था या नहीं। जहाँ एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि सभी जहाज होरमुज जलडमरूमध्य से गुजर सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब वे ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के साथ समन्वय करें, वहीं इसके विदेश मंत्री, अब्बास अराघची ने कहा कि फारस की खाड़ी में यह संकरा रास्ता खुला है, क्योंकि लेबनान में इजराइल-हिज्बुल्ला युद्ध के लिए संघर्ष-विराम समझौते पर सहमति बन गई थी। भारत को नेवी शिप भेज कर इसका करारा जबाब देना चाहिए भारत 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है और भारत ऐसा देश है जो गोली का जबाब गोली से देना जानता है भारत के लोग कहीं भी हो अगर हमला हुआ है तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए ईरान में सत्ता संघर्ष हो या कुछ भी ऐ एक आतंकवादी घटना है शिप पर भारत का तिरंगा होगा यदि इसे शक्ति से नहीं लिया गया तो आतंकी का हौसला बढ़ेगा और दुनिया में इसे मजाक बनाया जाएगा जिससे भारत की छवि धूमिल होगी जब ईरान की नेवी को अमेरिका के हमले से बचाने के लिए कोच्ची में अपना नेवी शिप भेज कर अमेरिका को अपनी ताकत का अहसास करा सकता है तो ऐसा हमला बर्दास्त नहीं है चाहे कोई भी हो भारत को इसका करारा जबाब देना चाहिए हम भगवान राम के मार्गदर्शन पर चलने वाले मान और मयार्दा से रहने वाला शांति प्रिय देश है तो हमें अपने लोगों की रक्षा का पूर्ण अधिकार है भारत को इसे गंभीरता से लेकर जबाबी कार्यवाही करना चाहिए अमेरिका क्या कर रहा है नहीं कर रहा है ऐ दो देशों का अंदरूनी मामला है इसमें भारत का कोई रोल नहीं है भारत एक शान्तिप्रिय देश है और भारत माँ की रक्षा के लिए मर मिटने वाला देश है ऐ हमला बिल्कुल जायज नहीं है इसपर भारत को कड़ा रुख अपनाना चाहिए ईरान की आबादी 9 करोड़ है और भारत की आबादी 140 करोड़ है इसे यदि हल्के में लिया गया तो परोसी दुश्मन मुल्क मजाक उड़ा सकता है क्योंकि उसके जहाज आ रहे हैं हम अपनी रक्षा के लिए आत्मनिर्भर हैं आतंकी हमला बर्दास्त नहीं है। भारत परमाणु संपन्न देश है और भारतीयों की रक्षा के लिए भारतीय सेना पूरे विश्व में अव्वल है भारतीय सशस्त्र बल भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रबन्धन के अधीन हैं। 14 लाख से अधिक सक्रिय कर्मियों की शक्ति के साथ, यह विश्व की द्वितीय

सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है इसलिए भारत को इसका कड़ा जबाब देना चाहिए नहीं तो पाकिस्तान और ईरान दोनों की सीमा सटती है वहाँ से तो आतंकवाद होता रहता है अब यदि धर्म के नाम पर ईरान भी इसी रास्ते चला तो आने वाले समय में आतंकवादी घटना बढ़ेगी लेकिन यहाँ तो एक नारी शक्ति बिल पर राजनीति हो रही जो संसद में पास नहीं हुआ लोकतंत्र है ऐसा होता है इसका सम्मान करना चाहिए हालांकि मुझे भी दुःख है लेकिन अदालत तो संसद के निर्णय को ही सही मानेगी अगर गलत है तो अगले चुनाव में पूर्ण बहुमत दे देना लेकिन राष्ट्र हित में जो निर्णय लिए जाएं वो सही हो इसलिए इस मुद्दे पर कार्यवाही करना चाहिए।

राजनीति और शेयर बाजार-एक अदृश्य लेकिन गहरा संबंध- विदेशी निवेशकों की मानसिकताः स्थिरता ही सर्वोच्च प्राथमिकता

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर शेयर बाजार को अक्सर केवल आर्थिक आंकड़ों, कॉर्पोरेट प्रदर्शन और वैश्विक संकेतकों से जोड़कर देखा जाता है,लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। बाजार का एक महत्वपूर्ण आधार विश्वास (कॉन्फिडेंस) होता है,और यह विश्वास सीधे तौर पर राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत स्पष्टता औरशासन की विश्वसनीयता से जुड़ा होता है।16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी विश्वास को झकझोरने का काम किया। एक तरफ नारी शक्ति वंदन अधिनियम को आधी रात में लागू किया गया, वहीं दूसरी ओर संवैधानिक संशोधन विधेयक का गिर जाना बाजार के लिए एक जटिल संकेत बनकर उभरा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह घटनाक्रम केवल राजनीतिक नहीं था इसने निवेशकों के मनोविज्ञान, विदेशी पूंजी प्रवाह, और भारतीय शेयर बाजार की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई।लोकसभा में 528 सांसदों द्वारा मतदान, जिसमें 298 समर्थन और 230 विरोध में वोट पड़े,लेकिन दो-तिहाई बहुमत की कमी के कारण विधेयक का गिर जाना यह एक सामान्य संसदीय घटना नहीं थी।शेयर बाजार के दृष्टिकोण से यह पॉलिसी फेलियर सिग्नल (नीतिगत विफलता का संकेत) है। जब कोई सरकार बड़ा संवैधानिक संशोधन पास नहीं कर पाती, तो निवेशकों को यह संकेत मिलता है कि भविष्य में भी बड़े आर्थिक सुधारों को लागू करना कठिन हो सकता है।यहीं से बाजार में अनिश्चितता का प्रवेश होता है और अनिश्चितता ही शेयर बाजार की सबसे बड़ी और सटीक दुश्मन होती है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत की आर्थिक प्रतिष्ठा और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टिः नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है।इस संदर्भ में इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इससे देश की जोखिम प्रोफाइल (रिस्क परसेंप्शन) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल इन्फेलोज)पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है।शेयर बाजार की मनोविज्ञानः अनिश्चितता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है,शेयर बाजार मूलतः अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब सरकार के बड़े विधेयक विफल होते हैं,तो निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है।विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में हो, तब इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में गिरावट बहुत ही तेज हो सकती है।

साथियों बात अगर हम रूल 66 और बाजार की प्रतिक्रियाः प्रक्रिया बनाम परिणाम को समझने की करें तो, संसद में रूल 66 को निलंबित करना और तीन विधेयकों को एक साथ जोड़ना केवल राजनीतिक रणनीति नहीं थी, बल्कि यह बाजार के लिए एक ह्यप्रोसीजरल रिस्क ह्न (प्रक्रियागत जोखिम) का संकेत था।निवेशक केवल यह नहीं देखते कि क्या पास हुआ या नहीं,बल्कि यह भी देखते हैं कि निर्णय कैसे लिए गए। जब प्रक्रिया में पारदर्शिता कम होती है, तो बाजार में ह्यगवर्नेंस रिस्क प्रीमियमह्न बढ़ जाता है अर्थात निवेशक अधिक जोखिम मानकर निवेश कम करने लगते हैं।शेयर बाजार की तत्काल प्रतिक्रियाः गिरावट, अस्थिरता और एफआईआई की रणनीतिऐसे घटनाक्रमों के बाद आमतौर पर तीन प्रकार की प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलती हैंः शॉर्ट-टर्म गिरावट (शार्ट - टर्म-करेक्शन):निवेशक घबराहट में बिकवाली शुरू करते हैं,जिससे बाजार में गिरावट आती है।वोलैटिलिटी (वोलाटिलिटी) में वृद्धिः बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ जाता है, क्योंकि निवेशक स्पष्ट दिशा नहीं समझ पाते।

साथियों बात अगर हम फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स) का सतर्क रवैयाः इसको समझने की करें तो विदेशी निवेशक अस्थायी रूप से निवेश घटा सकते हैं या 'वेट एंड वाच रणनीति अपनाते हैं। यह वही स्थिति है जो 16-17 अप्रैल के बाद देखने को मिल सकती है विशेषकर तब, जब बाजार पहले से गिरावट के दबाव में हो।वैश्विक निवेशक जैसे इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक से जुड़े विश्लेषक किसी भी देश की निवेश क्षमता को तीन प्रमुख आधारों पर आंकते हैंः(1) राजनीतिक स्थिरता (2) नीतिगत निरंतरता (3)संस्थागत पारदर्शिता जब संसद में बड़ा विधेयक गिरता है, तो यह संकेत जाता है कि सरकार को व्यापक समर्थन प्राप्त नहीं है।इससे पोलिटिकल रिस्क इंडेक्स बढ़ता है, जो सीधे तौर पर निवेश निर्णयों को प्रभावित करता है।

साथियों बात अगर हम रुपया, बॉन्ड मार्केट और इक्विटी मार्केट पर संयुक्त प्रभाव इसको समझने की करें तो इस प्रकार की राजनीतिक अनिश्चितता का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह तीन स्तरों पर प्रभाव डालता है:(1) रुपया (करेंसी):विदेशी निवेशक यदि पैसा निकालते हैं, तो रुपये पर दबाव बढ़ता है और वह डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है।(2)बॉन्ड मार्केटः सरकारी नीतियों पर भरोसा कम होने से बॉन्ड यील्ड बढ़ सकती है, जिससे उधारी महंगी हो जाती है। (3) इक्विटी मार्केटः कंपनियों के भविष्य के मुनाफे पर अनिश्चितता बढ़ने से शेयरों की कीमतों में गिरावट आ सकती है।महिला सशक्तिकरण और बाजार का दीर्घकालिक दृष्टिकोणहालांकि अल्पकालिक प्रभाव नकारात्मक हो सकता है,लेकिन महिला सशक्तिकरण जैसे सुधार दीर्घकाल में बाजार के लिए अत्यंत सकारात्मक होते हैं।वर्ल्ड बैंक के अनुसार यदि महिला श्रम भागीदारी में वृद्धि होती है,तो जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।इसका सीधा प्रभाव शेयर बाजार पर पड़ता है, क्योंकिः(1) उपभोक्ता मांग बढ़ती है(2) कंपनियों की बिक्री और मुनाफा बढ़ता है (3) आर्थिक गतिविधि तेज होती हैअर्थात, महिला आरक्षण जैसे कदम बाजार के लिए 'लॉन्ग - टर्म बुलिश ट्रिगर' बन सकते हैं भले ही अल्पकाल में अनिश्चितता हो।

साथियों बात अगर हमस्टार्टअप इकोसिस्टम और क्विक-कॉमर्स विवाद को समझने की करें तोः बाजार के लिए नया जोखिम- भारत का शेयर बाजार इस समय एक और चुनौती का सामना कर रहा है स्टार्टअप बनाम पारंपरिक अर्थव्यवस्था का संघर्ष।जीप्टो , ब्लाईंकिट और स्विग्गी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स ने तेजी से विस्तार किया है।वहीं आल इंडिया कंस्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन ने इनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं जैसे प्रेडेटरी प्राइसिंग और पारंपरिक रिटेल को नुकसान।आईपीओ बाजार पर संभावित असरः वैल्यूएशन बनाम वास्तविकता, यदि घाटे में चल रही कंपनियाँ उच्च वैल्यूएशन पर आईपीओ लाती हैं, तो यह बाजार में बबल फार्मेशन का संकेत हो सकता है।(1) निवेशकों के लिए जोखिम : (2)ओवरवैल्यूएशन पर निवेश (3) लिस्टिंग के बाद गिरावट (4) बाजार में भरोसे की कमी,यदि ऐसे आईपीओ असफल होते हैं, तो यह पूरे टेक सेक्टर और स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रभावित कर सकता है।

साथियों बात अगर हम नियामक साख और बाजार की विश्वसनीयता इसको समझने की करें तो, नियामक संस्थाओं की भूमिका इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि वे निवेशकों के हितों की रक्षा नहीं कर पाते, तो बाजार की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ सकते हैं।यह स्थिति विदेशी निवेशकों के लिए एक 'रेड फ्लैग' बन सकती है, जिससे वे अन्य देशों की ओर रुख कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक घटनाक्रम और बाजार के बीच संबंध का सार इसको समझने की करें तो 16-17 अप्रैल 2026 की घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं किःराजनीति और बाजार अलग-अलग नहीं हैं,नीतिगत अनिश्चितता बाजार को तुरंत प्रभावित करती है,निवेशकों का विश्वास सबसे महत्वपूर्ण कारक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्या यह गिरावट अवसर है या चेतावनी? शेयर बाजार में हर गिरावट केवल जोखिम नहीं होती कई बार यह अवसर भी होती है। यदि सरकार आने वाले समय में:नीतिगत स्पष्टता बढ़ाती है,आर्थिक सुधारों को जारी रखती है,निवेशकों का विश्वास बहाल करती है,तो यह गिरावट एक 'बाइंग अपोर्चनिटी बन सकती है।लेकिन यदि अनिश्चितता बनी रहती है, तो यह बाजार के लिए एक दीर्घकालिक चुनौती बन सकती है।इसलिए ,भारतीय शेयर बाजार का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि देशराजनीतिक स्थिरता और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है क्योंकि आज का निवेशक केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि विश्वास से निवेश करता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नारी सम्मान की पुकार में विपक्ष की पराजय और संघर्ष में भी विजय का विश्वास

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

देश की राजनीति के वर्तमान दौर में महिला आरक्षण और परिसीमन का मुद्दा केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं बल्कि जनभावनाओं और राजनीतिक दृष्टिकोण का आईना बनकर सामने आया है इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कौन वास्तव में नारी सशक्तिकरण के साथ खड़ा है और कौन इस विषय को केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है। संसद में जो कुछ हुआ और उसके बाद जिस प्रकार से बयानबाजी और रणनीतियां सामने आईं उसने लोकतंत्र की परिपक्वता और दलों की मंशा दोनों को उजागर कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

विपक्षी खेमे मे राहुल, प्रियंका और सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे जैसे नेताओं की बैठकों और प्रेस वाताओं ने यह दशार्या कि वे इस मुद्दे को जनहित की बजाय राजनीतिक अवसर के रूप में अधिक देख रहे हैं ।महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील विषय पर स्पष्ट और ठोस समर्थन देने के बजाय उन्होंने शर्तों और संशोधनों की बात कर अपने रुख को कमजोर किया है। यह जनता के सामने उनकी प्राथमिकताओं को उजागर करता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि विपक्ष अब यह कह रहा है कि पुराने विधेयक को वर्तमान सीटों पर लागू किया जाए लेकिन जब अवसर था तब उन्होंने उसी विधेयक को समर्थन क्यों नहीं दिया। यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। जनता इस विरोधाभास को भलीभांति समझ रही है और यह स्थिति विपक्ष की विश्वसनीयता को कमजोर करती है।

परिसीमन के मुद्दे पर भी जिस प्रकार से भ्रम फैलाने की कोशिश की गई वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ न्याय नहीं

है यह एक संवैधानिक व्यवस्था है जिसका उद्देश्य प्रतिनिधित्व को संतुलित करना है। लेकिन इसे क्षेत्रीय असंतुलन और राजनीतिक नुकसान के रूप में प्रस्तुत करना केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास प्रतीत होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में इस भ्रम को दूर करने का प्रयास किया और यह स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया सभी राज्यों के लिए समान रूप से लागू होती है।

इस पूरे घटनाक्रम में भाजपा और एनडीए की रणनीति अधिक स्पष्ट और संगठित दिखाई देती है जहां एक ओर वे संसद में अपने प्रयासों के माध्यम से विधेयक को पारित कराने की कोशिश कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर अब वे जनता के बीच जाकर इस विषय को समझाने का संकल्प ले रहे हैं। यह सक्रियता और आत्मविश्वास यह दशार्ता है कि वे इस मुद्दे को केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में देखते हैं।

विपक्ष द्वारा देशभर में अभियान चलाने और सरकार के खिलाफ वातावरण बनाने की बात यह दशार्ती है कि वे संसद में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाने में असफल रहे अब वे सड़कों पर संघर्ष के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं ,लेकिन आज की जागरूक जनता केवल नारों और आरोपों से प्रभावित नहीं होती वह कार्य और नीयत दोनों को परखती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जिस प्रकार से परिवारवाद और स्वार्थी राजनीति का उल्लेख किया वह भारतीय राजनीति की एक पुरानी समस्या की ओर संकेत करता है ।जब निर्णय समाज के व्यापक हित की बजाय कुछ परिवारों के हित में लिए जाते हैं, तब विकास और समान अवसर बाधित होते हैं ।महिला आरक्षण जैसे विषय ऐसे ढांचे के लिए चुनौती बनते हैं क्योंकि यह नई नेतृत्व क्षमता को जन्म देता है और सत्ता के केंद्रीकरण को तोड़ता है।

इस पूरे प्रकरण ने यह भी स्पष्ट किया है कि आज की नारी केवल दर्शक नहीं है वह सक्रिय रूप से राजनीति और समाज को समझ रही है। वह यह देख रही है कि कौन उसके अधिकारों के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहा है और कौन केवल दिखावे की राजनीति कर रहा है। यह जागरूकता भविष्य के राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करेगी।

कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के लिए यह स्थिति एक बड़ी राजनीतिक चुनौती के रूप में सामने आई है ।उनकी रणनीति में स्पष्टता की कमी और उनके बयानों में विरोधाभास ने उन्हें कमजोर स्थिति में ला खड़ा किया है ।यह कहना गलत नहीं होगा कि इस मुद्दे पर उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है यह हार केवल संसद में नहीं बल्कि जनमानस में भी दिखाई दे रही है।

दूसरी ओर एनडीए के लिए यह एक अलग प्रकार की स्थिति है, जहां विधेयक पारित न हो पाने के बावजूद उन्होंने नैतिक और वैचारिक स्तर पर एक मजबूत स्थान प्राप्त किया है। यह वह स्थिति है जहां संघर्ष में भी जीत का अनुभव होता है। क्योंकि उद्देश्य स्पष्ट और प्रयास निरंतर हैं जनता इस अंतर को समझती है और यही समझ भविष्य में उनके समर्थन का आधार बन सकती है।

यह समय सभी राजनीतिक दलों के लिए आत्ममंथन का है लेकिन विशेष रूप से विपक्ष के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल विरोध की राजनीति से आगे बढ़े और राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक भूमिका निभाए अन्यथा वह जनता का विश्वास खोता जाएगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि महिला आरक्षण और परिसीमन का यह पूरा घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अध्याय बन गया है ।इसमें जहां एक ओर विपक्ष की कमजोरियां उजागर हुई हैं वहीं दूसरी ओर एनडीए की दृढ़ता और संकल्प सामने आया है। यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं वे यह बताते हैं कि जनता अब अधिक सजग है और वह सही समय पर सही निर्णय लेने के लिए तैयार है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष भी है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने विवादित विधेयक पर हस्ताक्षर किए, निगरानी कार्यक्रम का 30 अप्रैल तक विस्तार ; अब संसद में होगी बहस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जिसके बाद एक विवादित निगरानी कार्यक्रम को 30 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। यह कम अवधि का विस्तार है। इसके बाद अब इस मुद्दे पर कांग्रेस (संसद) में बहस होने की संभावना है। यह विधेयक शुक्रवार को सीनेट में अंतिम क्षण में पारित किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निगरानी का अधिकार कुछ ही दिनों में समाप्त न हो जाए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी बताया और इसके नवीनीकरण का समर्थन किया। हालांकि, आलोचक इसे नागरिकों की आजादी के लिए खतरा मान रहे हैं। इस विवाद के केंद्र में 'धारा 702' है। यह विदेशी खुफिया निगरानी कानून का हिस्सा है। यह धारा केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी (सीआईए), राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए), संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और अन्य एजेंसियों को बिना वारंट के विदेशी संचार को बड़ी मात्रा में एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में कभी-कभी अमेरिकी नागरिकों के संदेश भी शामिल हो जाते हैं, अगर वे विदेशी लक्ष्यों से संपर्क में हों।

'ट्रंप प्रशासन के लिए खतरा हैं मुनीर, ईरान से करीबी संबंध', अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए एक संभावित 'रेड फ्लैग' यानी जोखिम साबित हो सकते हैं। इसकी वजह उनके ईरान के शीर्ष सैन्य नेतृत्व से लंबे समय से संबंध बताए जा रहे हैं। फॉक्स न्यूज की हालिया रिपोर्ट और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की आकलन रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में ईरानी नेतृत्व से गहरे और लंबे समय से संबंधों के कारण मुनीर को उनके ट्रंप प्रशासन के लिए एक संभावित जोखिम बताया गया है। पाकिस्तान के सेवानिवृत्त जनरल ने फॉक्स न्यूज डिजिटल को बताया कि मुनीर के ईरान के कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से व्यक्तिगत संबंध रहे हैं, जिनमें कुद्स फोर्स के मारे गए कमांडर कासिम सुलेमानी और आईआरजीसी कमांडर होसैन सलामी शामिल हैं। ये संबंध ऐसे समय में चर्चा में हैं, जब मुनीर अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच पीछे वाले दरवाजे से मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। इस भूमिका के तहत वह दोनों देशों के बीच गोपनीय स्तर पर संवाद बनाए रखने और बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से मुनीर की प्रशंसा करते हुए उन्हें अपना 'पसंदीदा फील्ड मार्शल' बताते हैं। लेकिन, खुफिया अधिकारियों का कहना है कि उनकी दोहरी भूमिका अमेरिकी हितों के लिए नुकसानदेह हो सकती है। फॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के इतिहास को देखते हुए, खासकर अफगानिस्तान में उसकी भूमिका को लेकर उसे एक 'भरोसेमंद सहयोगी नहीं' माना जा सकता है। इसलिए, उनके ईरान के साथ नजदीकी संबंध को सुरक्षा के लिए जोखिम के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप से बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं', पोप लियो बोले- मेरा काम दुनिया में शांति को बढ़ावा देना है

कैमरून, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई तीखी आलोचनाओं पर विराम लगाते हुए पोप ने बड़े ही सौम्य लेकिन दृढ़ शब्दों में कहा कि ईरान युद्ध को लेकर ' 'राष्ट्रपति के साथ बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं है। कैमरून से अंगोला की उड़ान के दौरान पोप लियो चौदहवें ने एक बार फिर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका मिशन राजनीति नहीं, बल्कि शांति है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई तीखी आलोचनाओं पर विराम लगाते हुए पोप ने बड़े ही सौम्य लेकिन दृढ़ शब्दों में कहा कि ईरान युद्ध को लेकर ' 'राष्ट्रपति के साथ बहस करना बिल्कुल भी मेरे हित में नहीं है।' ' पिछले कुछ दिनों से ट्रंप और वेटिकन के बीच वाकयुद्ध का जो दौर चल रहा था, उस पर पोप ने स्पष्ट किया कि शांति का उनका प्रचार किसी व्यक्ति विशेष (ट्रंप) के लिए नहीं, बल्कि ईसा मसीह के उपदेशों पर आधारित है। ट्रंप ने उन पर अपराधों को लेकर 'नरम' होने और वामपंथियों का करीबी होने का आरोप लगाया था, यहां तक कि उनके चयन का श्रेय भी खुद को दिया था। इसके जवाब में पोप ने कहा कि मेरे बयानों का उद्देश्य किसी राजनीतिक विवाद को जन्म देना नहीं था। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध और अफ्रीका के आंतरिक संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि धर्म के नाम पर युद्ध का औचित्य साबित करना गलत है। 'मैं मुख्य रूप से एक पादरी के रूप में, कैथोलिक चर्च के प्रमुख के रूप में अफ्रीका आया हूं। मेरा काम दुनिया में न्याय, भाईचारा और शांति को बढ़ावा देना है।

उत्तर कोरिया ने दागीं बैलिस्टिक मिसाइलें, हाई अलर्ट पर जापान; दक्षिण कोरिया भी सतर्क

प्योंगयांग , एजेंसी। एशिया में एक बार फिर तनाव की लहर तेज हो गई है। रविवार को दक्षिण कोरिया ने दावा किया कि उत्तर कोरिया ने अपनी पूर्वी समुद्री सीमा की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब क्षेत्र पहले से ही सुरक्षा चुनौतियों और शक्ति संतुलन के दबाव से जूझ रहा है। लगातार हो रहे मिसाइल परीक्षण न केवल पड़ोसी देशों के लिए चिंता का कारण बन रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अस्थिरता की आशंका को बढ़ा रहे हैं।

दक्षिण कोरियाई सेना के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार ये मिसाइलें रविवार सुबह उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय इलाके सिनपो से छोड़ी गईं। यह इलाका पहले भी मिसाइल परीक्षणों के लिए जाना जाता रहा है। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि वह इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और अपनी निगरानी व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है।

हाई अलर्ट पर जापान, देशभर में मचा हड़कंप : इतना ही नहीं रविवार सुबह जापान में उस समय हड़कंप मच गया, जब उत्तर कोरिया की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने की खबर सामने आई। स्थिति को गंभीर मानते हुए जापान सरकार तुरंत हाई अलर्ट पर आ गई और देशभर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने बताया कि सुबह करीब 6

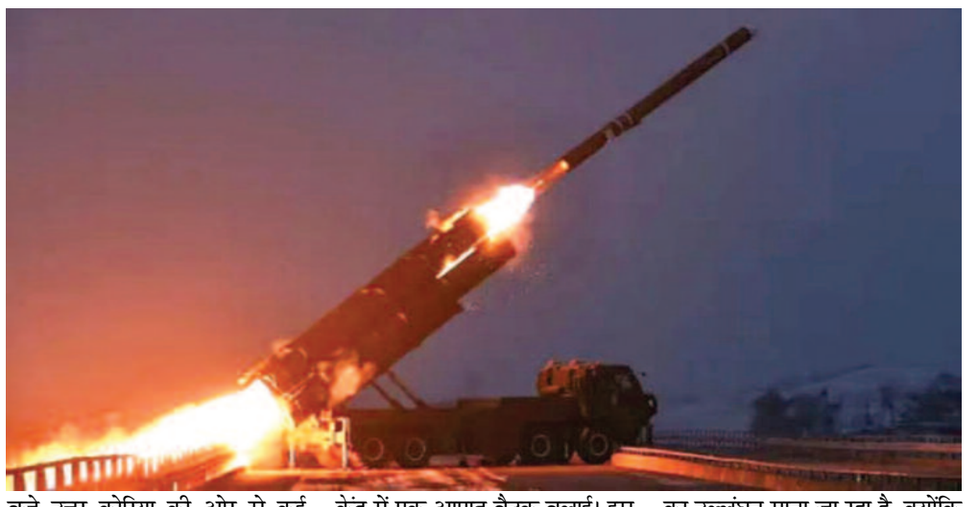

बजे उत्तर कोरिया की ओर से कई मिसाइलें छोड़ी गईं। हालांकि शुरुआती जानकारी के अनुसार ये मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर ही समुद्र में गिर गईं, जिससे किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत जारी : इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस घटना के बाद जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया मिलकर स्थिति का विश्लेषण कर रहे हैं। सभी देश मिलकर यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि इन मिसाइलों का मकसद क्या था और आगे क्या खतरा हो सकता है। घटना के तुरंत बाद जापान सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय के संकट प्रबंधन केंद्र में एक आपात बैठक बुलाई। इस बैठक में सभी संबंधित मंत्रालयों और एजेंसियों को निर्देश दिया गया कि वे तेजी से जानकारी जुटाएं और हर स्थिति के लिए तैयार रहें।

दक्षिण कोरिया ने बढ़ाई निगरानी : इस बीच दक्षिण कोरिया ने भी अपनी निगरानी बढ़ा दी है और वह लगातार अमेरिका और जापान के संपर्क में है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय शहर सिनपो से दागी गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस साल यह उत्तर कोरिया का सातवां बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण है और अप्रैल महीने में ही चौथा परीक्षण है। यह कदम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है, क्योंकि इन नियमों के तहत उत्तर कोरिया को ऐसे परीक्षण करने की अनुमति नहीं है।

हालांकि उत्तर कोरिया इन प्रतिबंधों को नहीं मानता और उसका कहना है कि यह उसके आत्मरक्षा के अधिकार के खिलाफ है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन पहले भी कह चुके हैं कि उनका देश अपनी सुरक्षा के लिए परमाणु और मिसाइल ताकत को लगातार बढ़ाता रहेगा। इसी बीच, परमाणु मामलों की निगरानी करने वाली संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने भी चेतावनी दी है कि उत्तर कोरिया तेजी से अपनी परमाणु क्षमता बढ़ा रहा है और उसने संभवतः यूरेनियम संवर्धन की नई सुविधा भी तैयार कर ली है।

यूक्रेन की राजधानी कीव में गोलीबारी, 6 लोगों की मौत, कई बुरी तरह घायल

कीव, एजेंसी। रूस के साथ युद्ध में उलझे यूक्रेन की राजधानी कीव में एक व्यक्ति ने सड़क पर जा रहे लोगों के ऊपर गोलीबारी कर दी है। इसके बाद उसने एक सुपरमार्केट में लोगों को बंदी बना लिया। इसकी वजह से करीब छह लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। कीव पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गोलीबारी की यह घटना दक्षिणई होलोसिव्स्की में हुई है। हमलावर को मार गिराया गया है। यूक्रेन के गृह मंत्री इगोर क्लिमेंको ने बाद में पुष्टि की कि एक सुपरमार्केट में लोगों को बंधक बना लिया गया था और हमलावर ने मारे जाने से पहले पुलिस अधिकारियों पर गोली चलाई थी। मृत और घायलों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन कीव के मेयर क्लिट्स्को ने कहा कि एक बच्चे सहित कम से कम 12 लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। घटना की ज्यादा जानकारी देते हुए क्लिट्स्को ने कहा कि हमलावर ने सबसे पहले सड़क पर जा रहे लोगों के ऊपर गोलीबारी करना शुरू कर दिया। इसके बाद वह एक सुपरमार्केट में मौजूद लोगों को बंधक बना लिया। इसके बाद पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में उसकी मौत हो गई। यूक्रेन के अभियोजक रुस्लान क्रावचेंको ने हमलावर की पहचान रूस की राजधानी मॉस्को के निवासी के तौर पर की है। उन्होंने बताया कि रूसी नागरिक ने इस घटना को अंजाम देने के लिए स्वचालित हथियार का इस्तेमाल किया था। इसके पहले कुछ

मीडिया रिपोर्ट्स ने बताया कि हमलावर जिस अपार्टमेंट में रहता था, उसमें भी आग लग गई है। हालांकि, कई लोगों ने इसे विस्फोट का परिणाम बताया। घटना की पुष्टि करते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि एक हमलावर ने सुपरमार्केट में चार लोगों को बंदी बना लिया था। यूक्रेन पुलिस ने प्रयास करके इन सभी को सुरक्षित निकाल लिया है। हमलावर की मौत हो चुकी है।

कम से कम 10 लोग घायल : घटनास्थल से लाइव प्रसारण में दिखा कि जिस मॉल कॉम्प्लेक्स में सुपरमार्केट था, उसके अंदर पुलिस टीमें गोलीबारी के बीच मोर्चा संभाले थीं. गोलियों की आवाजें सुनाई दे रही थीं. जानकारी के मुताबिक, आसपास मौजूद लोगों को हालात बिगड़ते ही तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया. यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि कम से कम 10 लोग घायल हैं और सदमे की स्थिति में अस्पताल में भर्ती किए गए हैं, जहां उनका इलाज जारी है. पुलिस ऑपरेशन के दौरान 4 बंधकों को सुरक्षित बचा लिया गया. यूक्रेन की नेशनल पुलिस और सुरक्षा सेवा के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हुए हैं. जांच जारी रहने के बीच गृह मंत्रालय को निर्देश दिए गए हैं।

होर्मुज स्ट्रेट के दोबारा बंद होने से भड़का अमेरिका, ईरान के खिलाफ बनाई खास रणनीति

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट अब और भी ज्यादा बढ़ने की कगार पर है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा बंद कर दिया है। अब अमेरिका ने भी तेहरान के इस फैसले के खिलाफ ऐक्शन प्लान बना लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी तक ईरान के व्यापारिक जहाजों को केवल धमकी देने वाला अमेरिका अब होर्मुज से बाहर आने वाले और समुद्र में मौजूद जहाजों पर कब्जा करने की तैयारी में है। हालांकि, अभी तक अमेरिका की तरफ से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के होर्मुज बंद करने के फैसले से नाराज अमेरिका अब ईरान के व्यापारिक जहाजों के ऊपर चढ़कर उन्हें जब्त करने की तैयार में है। दो अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से जर्नल ने बताया कि आने वाले समय में अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में मौजूद ईरानी जहाजों को अमेरिका जब्त करना शुरू करेगा। इसके लिए वह होर्मुज के अलावा भी ऐक्शन लेने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन इस कदम के जरिए ईरान के ऊपर आर्थिक दबाव बढ़ाना चाहता है। ताकि ईरान होर्मुज को खोलने और परमाणु हथियार कार्यक्रम को रोकने के लिए मजबूर किया जा सके। बता दें, शुक्रवार को ईरान ने होर्मुज को खोलने का ऐलान कर दिया था, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने होर्मुज के बाहर लगे ब्लाकेड को ईरानी जहाजों के लिए खोलने से इनकार कर दिया। इसके बाद ईरान ने ट्रंप के ऊपर वादा-खिलाफी का आरोप लगा, शनिवार को एक बार फिर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का ऐलान कर दिया। ईरानी सेना की तरफ से एक बयान जारी करके कहा गया कि ईरान ने लेबनान में सीजफायर को मद्देनजर रखते हुए होर्मुज को खोलने का ऐलान कर दिया था, लेकिन अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों से निकलने वाले और यहां आने वाले जहाजों के लिए अपना ब्लाकेड नहीं खोला है। इसलिए अब इस्लामिक राज्य ईरान भी होर्मुज को दोबारा से बंद कर रहा है। ईरान ने इस घोषणा के बाद रेडियो के जरिए सभी जहाजों को होर्मुज के बंद होने की सूचना दे दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को होर्मुज के खुलने के ऐलान के साथ कई जहाज यहां से निकलने के लिए आगे बढ़े।

कर्ज नहीं चुका पा रहा मालदीव, मुइज्जू को आई भारत की याद: करेंसी स्वैपिंग की मांग रहे मदद

माले, एजेंसी। मालदीव में गहराते आर्थिक तनाव के बीच भारत सरकार मालदीव द्वारा करेंसी स्वैप सुविधा को विस्तार देने के अनुरोध पर विचार कर रही है। हालांकि, मौजूदा नियमों और सख्त शर्तों के कारण भारत के लिए इस अनुरोध को स्वीकार करना कूटनीतिक और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण हो गया है। मालदीव वर्तमान में भारी अंतरराष्ट्रीय कर्ज और घटते विदेशी मुद्रा भंडार के कारण गंभीर वित्तीय दबाव में है। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष ने पर्यटन और ऊर्जा लागतों को प्रभावित कर मालदीव की कमर और तोड़ दी है।

सूत्रों के मुताबिक, मालदीव ने भारत से फिर से करेंसी स्वैप सुविधा बढ़ाने की गुहार लगाई है। लेकिन भारतीय नियमों के अनुसार, दो बार निकासी के बीच एक कूलिंग-ऑफ (निश्चित

समय का अंतर) का होना अनिवार्य है। साथ ही रोल-ओवर (कर्ज की अवधि बढ़ाना) की भी एक तय सीमा होती है। इन तकनीकी कारणों से भारत के लिए दोबारा मदद देना आसान नहीं है। यदि भारत इस बार विस्तार नहीं दे पाता है, तो मालदीव की वित्तीय स्थिति अल्पावधि में और अधिक बिगड़ सकती है।

भारत का अब तक का सहयोग : भारत ने पिछले कुछ वर्षों में मालदीव की समस्याओं को दूर करने के लिए कई असाधारण कदम उठाए हैं। अक्टूबर 2024 में भारत ने 400 मिलियन डॉलर की करेंसी स्वैप सुविधा प्रदान की थी, जिसे सख्त नियमों के बावजूद दो बार रोल-ओवर किया गया। मई और सितंबर 2025 में भारत ने 50-50 मिलियन डॉलर के दो ब्याज मुक्त ट्रेजरी बिलों की अवधि एक साल के लिए बढ़ा दी। जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा के दौरान बुनियादी ढांचे के लिए 565 मिलियन डॉलर की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' और ऋण चुकाने की शर्तों में ढील देने की घोषणा की गई थी। नाजुक दौर में मालदीव की अर्थव्यवस्था रेटिंग एजेंसियों के अनुसार, मालदीव की स्थिति बेहद चिंताजनक है। फिच रेटिंग्स ने मालदीव की सॉवरेन रेटिंग को 'सीसी' पर रखा है, जो कर्ज चूक की उच्च संभावना को दर्शाता है। मूडिज ने भी अपनी 'सीएए2' रेटिंग बरकरार रखी है। अप्रैल 2026 में मालदीव को लगभग 1 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना था, जिसमें 500 मिलियन डॉलर का सुकुक बॉन्ड और भारत के साथ 400 मिलियन डॉलर का करेंसी स्वैप शामिल है। 1 अप्रैल, 2026 को मालदीव सरकार ने अपने सॉवरेन डेवलपमेंट फंड से सुकुक बॉन्ड का भुगतान तो कर दिया, लेकिन इससे उसका विदेशी मुद्रा भंडार काफी कम हो गया है। मालदीव की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन पर टिकी है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई है और ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं। इन विपरीत परिस्थितियों में मालदीव के लिए नए अंतरराष्ट्रीय ऋण जुटाना भी मुश्किल होता जा रहा है।

हिजबुल्ला की चेतावनी : इजरायली उल्लंघन का मिलेगा करारा जवाब

बेरुत, एजेंसी। हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम ने कहा कि इजरायल के साथ संघर्ष-विराम का मतलब पूरी तरह से हमले बंद होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इजरायल दक्षिणी लेबनान में किसी तरह का उल्लंघन करता है, तो उसका जवाब दिया जाएगा। कासिम ने अपने बयान में कहा कि एकतरफा संघर्षविराम नहीं हो सकता। उन्होंने साफ किया कि अगर आक्रामक कार्रवाई जारी रहती है, तो हिजबुल्लाह के लड़ाके उसी हिसाब से जवाब देंगे। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पांच अहम शर्तें भी रखीं। इनमें पूरे लेबनान में स्थायी रूप से लड़ाई बंद करना, इजरायली सेना की पूरी वापसी, बंदियों की रिहाई, विस्थापित लोगों को वापस बसाना और अरब तथा अंतरराष्ट्रीय मदद से

पुनर्निर्माण शामिल है। कासिम ने यह भी कहा कि हिजबुल्लाह हार नहीं मानने वाला है और वह लेबनान की आजादी और संप्रभुता के लिए आगे भी प्रयास करता रहेगा। कासिम ने यह भी कहा कि हिजबुल्लाह लेबनानी सरकार के साथ सहयोग का 'एक नया अध्याय' शुरू करने के लिए तैयार है। उन्होंने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और संप्रभुता की रक्षा के लिए सरकारी संस्थानों के साथ काम करने पर जोर दिया। इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिन का संघर्ष विराम गुरुवार और शुक्रवार की आधी रात से लागू हुआ। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी घोषणा की थी। लेकिन इजरायली सेना ने शनिवार को बताया कि उसने 'येलो लाइन' के पास पहुंच रहे लड़ाकों पर हमला किया। यह इलाका दक्षिणी लेबनान में इजरायल द्वारा बनाए गए सुरक्षा क्षेत्र की उत्तरी सीमा माना जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों और एक लेबनानी सुरक्षा सूत्र के अनुसार, इजरायली सेना ने शनिवार को दक्षिणी लेबनान के सीमावर्ती क्षेत्र के पूर्वी हिस्से में, कफरचौबा गांव के पास एक नया सैन्य ठिकाना बनाना भी शुरू कर दिया।

सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, इजरायली सेना के बुलडोजर और खुदाई मशीनें, एक टैंक की सुरक्षा में, वहां जमीन समतल करने का काम कर रही थी। इन गतिविधियों में जमीन को समतल करना, खुदाई करना और मिट्टी के टीले बनाना शामिल था; ये सभी संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि वहां एक नया सैन्य ठिकाना स्थापित किया जा रहा है, जो प्रशासनिक रूप से कफरचौबा से जुड़ा होगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह जगह 'रबा अल-तेबेन' पहाड़ी है, जो लेबनान-इजरायल सीमा से करीब 1.5 किलोमीटर दूर है और जहां जैतून के पेड़ और अंगूर के बाग हैं।

'ईरान वेनेजुएला नहीं है': गालिबाफ का बड़ा दावा- दुश्मन की हर योजना नाकाम

तेहरान, एजेंसी। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों की लगभग सभी सैन्य योजनाएं पूरी तरह विफल हो गईं। उनका कहना है कि दुश्मन ईरान की एयरफोर्स और मिसाइल ताकत को कमजोर नहीं कर सका, न ही नौसेना को खत्म कर पाया और न ही जमीनी हमला सफल रहा। उन्होंने खास तौर पर यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने या उस पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल करने की कोशिश भी नाकाम रही।

बिचौलियों के जरिए संदेश भेज रहे हैं ट्रंप' : गालिबाफ ने कहा कि दुश्मन ने पहले चेतावनियां और समयसीमा देकर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब उसमें भी सफलता नहीं मिली तो अब वह 'बिचौलियों के जरिए संदेश भेजने' लगा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने युद्ध के मैदान में बढ़त बनाई, जिसके कारण अस्थायी युद्धविराम हुआ। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि ट्रंप अपने लक्ष्य, ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसकी सैन्य क्षमता खत्म करने, में पूरी तरह असफल रहे। गालिबाफ ने यह भी कहा कि 'ईरान वेनेजुएला नहीं है', यानी यहां बाहरी दबाव से सरकार नहीं बदली जा सकती।

'ईरान ने अलग रणनीति अपनाकर मजबूत दुश्मन को पीछे धकेला' : ईरानी संसद के अध्यक्ष ने माना कि सैन्य ताकत के मामले में अमेरिका ईरान से ज्यादा मजबूत है, लेकिन उन्होंने

जोर देकर कहा कि सिर्फ हथियार, पैसा और संसाधन ही जीत तय नहीं करते। उनके मुताबिक, ईरान ने 'असिमेट्रिक वॉरफेयर' यानी अलग रणनीति अपनाकर मजबूत दुश्मन को पीछे धकेल दिया। इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को लेकर उन्होंने कहा कि कुछ मुद्दों पर समझ बनी है, लेकिन अभी भी कई बड़े मतभेद बाकी हैं। उन्होंने साफ किया कि ईरान अपने राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेगा और कूटनीति में भी झुकने का सवाल नहीं उठता।

'अमेरिका फर्स्ट' दिखावा, इस्राइल को प्राथमिकता देने का आरोप : मोहम्मद गालिबाफ ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका 'अमेरिका फर्स्ट' की बात करता है, लेकिन असल में वह इस्राइल के हितों को प्राथमिकता देता है और उसी के आधार पर फैसले लेता है। हालांकि जमीनी स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। हाल के घटनाक्रम में होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बार-बार स्थिति बदल रही है, कभी इसे खोलने की घोषणा होती है, तो कभी फिर से बंद करने की बात सामने आती है।

अमेरिकी प्रतिबंध के बाद क्यूबा में ईंधन संकट गहराया, स्पेन समेत कई देशों ने जताई चिंता

मैड्रिड। मैड्रिड, एजेंसी। जनवरी के आखिर में वॉशिंगटन द्वारा तेल की सप्लाई रोकने के बाद क्यूबा की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं मिल रहा है ईंधन के अभाव में इन तीन महीनों में वहां मानवीय स्थिति एक गंभीर मोड़ पर पहुंच गई है। इस बीच ब्राजील, मैक्सिको और स्पेन की सरकारों ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की है और स्थिति को आसान बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है। स्पेन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को तीनों सरकारों ने संबंधित पक्षों से यह भी अपील की कि वे ऐसे किसी भी कदम से बचें, जिससे लोगों के जीवन की स्थितियां और खराब हों या जिससे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हो। इसके साथ ही उन्होंने क्यूबा के लोगों की तकलीफों को कम करने के लिए एक समन्वित तरीके से अपनी मानवीय सहायता को बढ़ाने का भी संकल्प लिया। अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया। उन्होंने मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत का मकसद मौजूदा हालात का कोई पक्का हल निकालना होना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्यूबा के लोग पूरी आजादी के साथ अपना भविष्य खुद तय करें। देश में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा, 'सीमित मात्रा में ईंधन की सप्लाई पहुंचने की खबरों के बावजूद रूस से भेजी गई तेल की एक

हालिया खेप को पिछले हफ्ते अमेरिका की नाकेबंदी के बावजूद बंदरगाह पर उतरने की इजाजत दी गई थी। देश में मानवीय जरूरतें अभी लगातार बनी हुई हैं। मार्च के आखिर से ऊर्जा संकट का असर और भी ज्यादा बिगड़ गया है। 'बता दें कि क्यूबा की ऊर्जा जरूरतें जनवरी में अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपे जाने तक बड़े पैमाने पर वेनेजुएला द्वारा पूरी की जाती थीं।

ब्राजील-स्पेन और मैक्सिको ने क्या कहा : अपने बयान में ब्राजील, स्पेन और मैक्सिको ने हर समय अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की आवश्यकता को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभु समानता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने पर भी जोर दिया। इतना ही नहीं उन्होंने मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को भी फिर से दोहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातचीत का मकसद मौजूदा हालात का कोई पक्का हल निकालना होना चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि क्यूबा के लोग पूरी आजादी के साथ अपना भविष्य खुद तय करें। इसके साथ ही देश में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी ने कहा कि सीमित मात्रा में ईंधन की सप्लाई पहुंचने की खबरों के बावजूद रूस से भेजी गई तेल की एक हालिया खेप को पिछले हफ्ते अमेरिका की नाकेबंदी के बावजूद बंदरगाह पर उतरने की इजाजत दी गई थी। देश में मानवीय जरूरतें अभी लगातार बनी हुई हैं। मार्च के आखिर से ऊर्जा संकट का असर और भी ज्यादा बिगड़ गया है। बता दें कि क्यूबा की ऊर्जा जरूरतें जनवरी में अमेरिका द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सौंपे जाने तक बड़े पैमाने पर वेनेजुएला द्वारा पूरी की जाती थीं।

खाने के तुरंत बाद भूलकर भी न करें ये गलतियां, सेहत पर पड़ सकता है हानिकारक असर!

पैदल चलना शरीर के लिए लाभदायक है। इससे वजन घटाने और मधुमेह रोगियों को लाभ होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए खाने के बाद टहलना एक चुनौती हो सकती है। जी हां, डॉ. अनुज के अनुसार, खाने के बाद तीन छोटी सैर (प्रत्येक 10 मिनट) रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में 30 मिनट की एक लंबी सैर से अधिक प्रभावी हो सकती है। यह बेहतर परिणाम देता है, खासकर अगर इसे खाने के तुरंत बाद किया जाए।

डायबेटोलोजिया पत्रिका में प्रकाशित 2016 के एक अध्ययन के अनुसार, भोजन के बाद 10 मिनट की सैर से टाइप-2 मधुमेह वाले लोगों में रक्त शर्करा नियंत्रण में सुधार होता है। भोजन के बाद टहलने से इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ती है और पाचन के दौरान ग्लूकोज का उपयोग बेहतर होता है, जिससे शर्करा के स्तर में तेजी से होने वाली वृद्धि कम होती है।

खाने के बाद टहलने के फायदे

1. ब्लड शुगर नियंत्रित करें – खाने के बाद शरीर को अधिक इंसुलिन की जरूरत होती है। पैदल चलने से शरीर की कोशिकाओं को अधिक ऑक्सीजन और ऊर्जा मिलती है, जिससे रक्त शर्करा का शीघ्र उपयोग होता है और स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

2. हृदय स्वास्थ्य- नियमित रूप से हल्का व्यायाम जैसे टहलना हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और शरीर में रक्त परिसंचरण में सुधार करता है।

3. वजन प्रबंधन- मधुमेह रोगियों के लिए वजन कम रखना बहुत महत्वपूर्ण है। पैदल चलने से कैलोरी बर्न होती है और वजन नियंत्रण में मदद मिलती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

झारखंड के जन स्वास्थ्य अभियान में कार्यरत डॉक्टर अनुज कुमार कहते हैं कि खाने के बाद टहलना एक अच्छा व्यायाम है, लेकिन कुछ लोगों को खाने के बाद टहलने से बचना चाहिए। विशेषकर किसी भी पेट की सर्जरी के बाद।

खाने के बाद किसे टहलना नहीं चाहिए?

गैस्ट्रोपेरेसिस से पीड़ित लोगों में – इससे मतली या सूजन हो सकती है।

गंभीर हृदय रोग से पीड़ित लोगों में – खाने के बाद, रक्त प्रवाह पाचन पर केंद्रित होता है और परिश्रम के कारण हृदय पर दबाव पड़ सकता है।

हाइपोग्लाइसीमिया के रोगी – इंसुलिन या कुछ दवाओं का उपयोग करने वाले लोगों को चलते समय निम्न रक्त शर्करा का अनुभव हो सकता है।

आईबीएस) से पीड़ित लोग – यह एक गंभीर पाचन समस्या है। खाने के बाद टहलने से इसके लक्षण बढ़ सकते हैं।

कुछ लोगों को खाने के बाद चलने से चक्कर आना, सीने में दर्द या अत्यधिक थकान महसूस होती है, इसलिए उन्हें आराम करना चाहिए।

गर्मी में आग की भट्टी बन जाती है किचन, अपनी रसोई को ठंडा रखने के लिए करें ये 5 काम

कभी-कभी गर्मियों में कूलर या एसी के बिना रहना असंभव लगता है। यह मौसम उन लोगों के लिए विशेष रूप से थकाने वाला होता है जो दिन-रात रसोई में खाना पकाने में बिताते हैं। अधिकतर महिलाओं को लंबे समय तक रसोई में काम करना पड़ता है। उबलते बर्तनों, गर्म ओवन और खराब वेंटिलेशन के कारण रसोईघर अक्सर भट्टी में बदल जाता है, जिससे खाना बनाना मुश्किल हो जाता है। इस तरह आप कुछ आसान टिप्स अपनाकर किचन को ठंडा और आरामदायक बना सकते हैं, जिससे किचन में गर्मी काफी हद तक कम हो सकती है और आप आराम से खाना बना सकते हैं।

पर्दे और हरियाली का उपयोग करें

यदि आपके रसोईघर में बड़ी खिड़कियां हैं, तो उन्हें दिन के समय बंद रखें, प्रकाश और गर्मी को रोकने के लिए हल्के रंग के सूती पर्दे का उपयोग करें। आप अलमारियों पर इनडोर कूलिंग प्लांट भी लगा सकते हैं। हरियाली आसपास के वातावरण को अधिक ठंडा और आरामदायक बना सकती है। इसके अलावा आप रसोईघर के बाहर भी कुछ पौधे लगा सकते हैं। रसोईघर से गर्मी बाहर निकालने के लिए समय-समय पर खिड़की भी खोलें।

चिमनी और एग्जॉस्ट पंखों का उपयोग करें

यदि आपके रसोईघर में चिमनी या एग्जॉस्ट फैन है तो गर्मियों में उनका प्रयोग करें। वे धुआं, भाप और नमी को कम करने में मदद करते हैं तथा शरीर को अधिक आरामदायक और सूखा रखते हैं। इससे आपका रसोईघर लंबे समय तक ठंडा रहेगा।

सुबह खाना पकाएँ

गर्मियों के मौसम में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच गर्मी बहुत अधिक होती है। इसलिए, गर्मी से बचने के लिए सुबह जल्दी खाना पकाने की कोशिश करें। कई लोग दोपहर का भोजन सुबह 11 बजे से 1 बजे के बीच बनाना शुरू कर देते हैं, जब सूरज चमक रहा होता है। नाश्ता तैयार करने के बाद, अपना दोपहर का भोजन जल्दी से पकाने की कोशिश करें, खासकर उन चीजों को जिन्हें तैयार करने में लंबा समय लगता है।

अगर घर में नहीं आ रही है पॉजिटिव वाइब्स? तो आज ही ट्राई करें सही कलर, फर्नीचर और डेकोरेशन टिप्स

हर व्यक्ति एक ऐसा घर खरीदने का सपना देखता है जहां उसे शांति, सुखद और सकारात्मक ऊर्जा महसूस हो। इसलिए लोग घर की साज-सज्जा और वास्तु पर तो विशेष ध्यान देते हैं, लेकिन जब बात सजावट और फर्नीचर की आती है तो लोग सस्ते सामानों की ओर भागते हैं। वहीं, अगर आप अपने घर को थोड़ी समझदारी और रचनात्मकता के साथ सजाते हैं, तो घर न सिर्फ खूबसूरत दिखता है, बल्कि उसमें रहने वाले लोग भी खुश रहते हैं। आज इस लेख में हम सराफ फर्नीचर के सीईओ रघुनंदन सराफ से जानेंगे कि कैसे आप कुछ खास टिप्स और आइडियाज से अपने लिविंग रूम को ज्यादा सकारात्मक, आकर्षक और आरामदायक बना सकते हैं।

सही रंगों का उपयोग

पूरा दिन बाहर बिताने के बाद घर आने पर हर कोई शांति और आराम पाना चाहता है। इसलिए, आपको अपने कमरे की दीवारों पर बेज, हल्का भूरा और टेराकोटा जैसे रंगों पर विचार करना चाहिए। ये रंग आंखों को सुखा देते हैं। इसके अलावा, आपको अपने घर में लकड़ी का फर्नीचर भी रखना चाहिए, जिसमें डाइनिंग टेबल, कॉफी टेबल और बुकशेल्फ़ शामिल हैं। ऐसा करने से आप अपने घर में प्रवेश करते ही सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करेंगे।

लाल और सुनहरे रंग में सजावट

रघुनंदन सराफ कहते हैं कि अगर आप अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा और चमक लाना चाहते हैं तो आपको लाल और सुनहरे रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। लाल रंग जोश और जुनून का प्रतीक है तथा सुनहरा रंग धन, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है। आपको घर के लिविंग रूम में लाल कुशन, सुनहरे बॉर्डर वाले दर्पण, लाल कुर्सियां ??और सुनहरे डिजाइन वाले लैंप और फूलदान रखने चाहिए।

हरे पौधे लगाएँ

घर को ताज़ा रखने के लिए आपको इनडोर पौधे लगाने चाहिए। मनी प्लांट और बांस जैसे पौधे सौभाग्य और समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं। ये न केवल दिखने में सुंदर हैं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा भी लाते हैं।

बहुउपयोगी फर्नीचर

सराफ का कहना है कि यदि आपका घर छोटा है और आपके पास फर्नीचर के लिए कम जगह है, तो आप सोफा-कम-बेड, स्टोरेज के साथ बेंच, एक्सटेंडेबल डाइनिंग टेबल और मल्टीफंक्शनल ओटोमन जैसे फर्नीचर खरीद सकते हैं और जगह भी बचा सकते हैं।

कांच या दर्पण वाला फर्नीचर

यदि आप अपने घर को बड़ा दिखाना चाहते हैं, तो आप कांच या कांच का फर्नीचर खरीद सकते हैं। आप कांच के टॉप वाली साइड टेबल या दर्पण वाली डाइनिंग टेबल खरीदकर जगह को बड़ा दिखा सकते हैं। हालाँकि, वास्तु के अनुसार आपको पूर्व या उत्तर दिशा में दर्पण या खिड़की लगानी चाहिए।

फेंग शुई से संबंधित आसान फर्नीचर सेटिंग टिप्स

अगर आप घर का माहौल शांत और खुशहाल रखना चाहते हैं तो आपको कुछ फेंगशुई टिप्स अपनाने चाहिए। आपको लिविंग रूम का सोफा दरवाजे की ओर रखना चाहिए, ताकि आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा सके। घर के फर्नीचर के कोने नुकीले नहीं होने चाहिए और घर में सामान ज्यादा बिखरा हुआ नहीं होना चाहिए। घर में सोफा और कुर्सियां हमेशा गोलाकार में रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

कपड़े धोने के बाद नहीं होगा प्रेस करने का झंझट, बस अपनाएं ये स्मार्ट हैक्स

कपड़े प्रेस करना हम सभी के लिए निश्चित रूप से उबाऊ होता है। विशेषकर, कोई भी व्यक्ति गर्मी की दोपहर में गर्म लोहे के सामने खड़ा नहीं होना चाहता। ऊपर से गर्मी, उमस और दिनभर भागदौड़ के कारण हम अपने कपड़ों को प्रेस करने में अपना समय और मेहनत दोनों बर्बाद करते हैं। हो सकता है कि आप भी गर्मियों में कपड़ों को प्रेस नहीं करना चाहते हों, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। जी हां, कुछ सरल उपाय हैं जिनका पालन करके आप अपने कपड़ों को बिना प्रेस किए भी ताजा और सिलवट रहित रख सकते हैं।

कपड़ों को बिना प्रेस किए भी सिलवटों से मुक्त रखना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है। सही कपड़े के चयन से लेकर कपड़े धोने के कुछ टिप्स तक, कई सरल टिप्स हैं जो आपका समय, प्रयास और पसीना बचा सकते हैं। इसलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ सरल हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना इस्त्री किए भी कपड़ों को रिंकल फ्री रख सकते हैं-

कपड़ों का चयन बुद्धिमानी से करें

जब आप गर्मियों के मौसम में कपड़े खरीद रहे हों तो आपको केवल उसके हल्के वजन पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए। यकीनन, इस मौसम के लिए कपास एक अच्छा कपड़ा माना जाता है, लेकिन इसे काफी प्रेस करना पड़ता है। इसलिए, आपको ऐसे कपड़े का चयन करना चाहिए जिसे इस्त्री करने की आवश्यकता न हो। उदाहरण के लिए, आप लिनेन मिश्रण से लेकर रेयान, निट और स्ट्रेच फैब्रिक तक का चुनाव कर सकते हैं। यदि आपको कपड़े के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, तो कपड़े खरीदते समय टैग पर रिंकल फ्री या नो आयरन की जांच कर लें।

कपड़ों को समझदारी से धोएं

आप अपने कपड़े कैसे धोते हैं, इससे भी बहुत फर्क पड़ता है। उदाहरण के लिए, मशीन में एक साथ बहुत सारे कपड़े न डालें जिससे उन्हें इधर-उधर घूमने के लिए जगह न मिले। इसके अलावा, कपड़े धोने के चक्र में फैब्रिक सॉफ़नर या आधा कप सफेद सिरका मिलाएं, जिससे झुर्रियां कम हो जाएंगी। इसके अलावा, धोने के बाद हर कपड़े को अच्छी तरह हिलाएं और फैलाएं। शर्ट को हैंगर पर लटकाएं और उन्हें सही आकार में सुखाएं। इसके अलावा, झुर्रीदार कपड़ों के साथ ड्रायर में 2-3 बर्फ के टुकड़े डालें और 10 मिनट तक चलाएं। भाप से सिलवटें अपने आप हट जाएंगी।

घर पर बनाएं झुर्रियों से राहत देने वाला स्प्रे

आप कपड़ों पर प्रेस किए बिना ही झुर्रियां हटाने के लिए घर पर ही रिंकल रिलीफ स्प्रे तैयार कर सकते हैं। इसके लिए एक कप डिस्टिल्ड वाटर, एक चम्मच फैब्रिक सॉफ्टनर और एक चम्मच रबिंग अल्कोहल मिलाएं। आवश्यकतानुसार कपड़ों पर हल्का स्प्रे करें, फिर हाथ से सीधा करें। इसे 10 मिनट तक लटका कर सुखाएं।

स्टीमर के बिना भाप बनाने की तरकीब

यदि आपके पास स्टीमर नहीं है तो भी आप कपड़ों को सिलवट रहित बना सकते हैं। इसके लिए गर्म पानी से नहाते समय कपड़ों को बाथरूम में लटका दें। दरवाजा बंद कर दें और भाप को 10-15 मिनट तक अपना काम करने दें। इसके बाद अपने हाथों की मदद से कपड़ों को सीधा करें। सिलवटें आसानी से हटा दी जाएंगी।

एक नजर

हॉट मिक्स प्लांट के जहरीले धुएं से जरड़ा गांव में दहशत

उत्तरकाशी। बिल्ला जरड़ा मोटर मार्ग पर संचालित हॉट मिक्स प्लांट के जहरीले धुएं से जरड़ा गांव के लोग स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। ग्रामीणों ने प्लांट को नियमों के विपरीत संचालित होने का आरोप लगाया है। आरोप है कि हॉट मिक्स प्लांट के धुएं से उनके क्षेत्र का पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है जिसका फसलों और चारापत्ती वाली पौधों पर भी असर पड़ रहा है। उपजिलाधिकारी बड़कोट को ग्रामीणों ने शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने हॉट मिक्स प्लांट की जांच कर उसे दूसरी जगह पर शिफ्ट करने की मांग की है। कार्यवाही नहीं होने पर ग्रामीणों ने बिल्ला के समीप यमुनोत्री हाइवे पर सांकेतिक जाम लगाकर प्रदर्शन की चेतावनी दी। काश्तकार रणजोर सिंह, प्रताप सिंह, दिवान सिंह, सोबेन्द्र सिंह, अकबर सिंह, राजवीर सिंह, अब्बल सिंह, संदीप सिंह आदि का कहना है कि हॉट मिक्स प्लांट के पास से ही जरड़ा गांव के लोगों की कृषि भूमि लगी हुई है। प्लांट से गांव की हवाई दूरी महज दो से ढाई सौ मीटर है जिससे लोगों को बीमार होने का डर सता रहा है। जहरीले धुएं से काश्तकार अपनी मवेशियों के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंतित है। कुछ लोग आंखों में जलन होने की भी शिकायत कर चुके हैं। उपजिलाधिकारी बड़कोट बृजेश तिवारी का कहना है कि ग्रामीणों का शिकायती पत्र उन्हें नहीं मिला है। पत्र मिलते ही जांच कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

उज्ज्वला गैस कनेक्शन मिला नहीं, सत्यापन के लिए आ रहा फोन

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक में घुत्तू क्षेत्र के कई लोगों को अभी तक उज्ज्वला गैस कनेक्शन तो नहीं मिल पाया है लेकिन उन्हें कनेक्शन सत्यापन कराने के लिए फोन कॉल आने से ग्रामीण असमंजस में है। बिना कनेक्शन के सत्यापन कराने के फोन कॉल से परेशान लोगों ने तहसील प्रशासन को ज्ञापन भेजकर इसकी जांच कराने की मांग की है।घुत्तू क्षेत्र के ग्रामीणों ने बताया कि इन दिनों प्रतापनगर में स्थित गैस एजेंसी से उज्ज्वला गैस कनेक्शन सत्यापन कराने के लिए फोन कॉल आ रही है जबकि उनमें से अधिकतर लोगों के पास उज्ज्वला गैस कनेक्शन नहीं है। ग्रामीणों ने योजना की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए उज्ज्वला गैस कनेक्शन वितरण में अनियमितताएं बरतने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने उज्ज्वला गैस कनेक्शन के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर आवेदन किया था लेकिन लंबे इंतजार के बाद भी अभी तक कनेक्शन नहीं मिल पाए हैं। ऐसे में सत्यापन के लिए फोन आने से कई तरह से सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र के केदार बर्त्वाल ने कहा कि बिन कनेक्शन के सत्यापन के लिए फोन कॉल आने से गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है। उन्होंने इसकी जांच कर पात्र लाभार्थियों को उज्जवला गैस कनेक्शन देने की मांग की है। क्षेत्र की कमला देवी, फूल देवी, मकानी देवी, मंगला देवी, भामा देवी, सुशीला देवी और पवित्रा देवी आदि ने बताया कि उन्हें कनेक्शन अभी तक नहीं मिला है जबकि उन्हें कनेक्शन सत्यापन के लिए फोन कॉल आई है। उन्होंने इसकी जांच कराने की मांग की है। इस बारे में एजेंसी संचालक का पक्ष लेने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

बरसाती गदेरों के बीच खतरे में 20 छात्रों का भविष्य

उत्तरकाशी। मोरी विकासखंड के दूरस्थ गांव ढाटमीर में राजकीय प्राथमिक विद्यालय के बीस छात्र–छात्राएं और दो शिक्षक डर के साए में पढ़ने को मजबूर हैं। विद्यालय के दोनों ओर बरसाती गदेरे होने के कारण अनहोनी का खतरा बना रहता है। बरसात के मौसम में कई बार विद्यालय में पानी घुस जाता है, जिससे स्थिति और भी भयावह हो जाती है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि विद्यालय भवन में स्थान कम है। ग्रामीणों ने लंबे समय से विद्यालय को जूनियर हाईस्कूल के भवन में स्थानांतरित करने की मांग की है। जूनियर हाईस्कूल का भवन गांव के बीच में एक सुरक्षित स्थान पर स्थित है। वर्तमान में जूनियर हाईस्कूल ढाटमीर में शिक्षकों की तैनाती नहीं है। इस कारण वहां पढ़ने वाले एक छात्र को राजकीय प्राथमिक विद्यालय में भेजा गया है। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा विभाग ने अभी तक इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने मांग की है कि यदि जूनियर हाईस्कूल दोबारा संचालित नहीं हो सकता, तो प्राथमिक विद्यालय को उसका लाभ दिया जाए। इस मामले पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों से फोन पर संपर्क नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने कई बार विद्यालय को जूनियर हाईस्कूल में स्थानांतरित करने की मांग की है। उनका तर्क है कि जूनियर हाईस्कूल का भवन गांव के मध्य में सुरक्षित स्थान पर है। वर्तमान में जूनियर हाईस्कूल में कोई शिक्षक नहीं है, जिससे उसका एक छात्र प्राथमिक विद्यालय में पढ़ रहा है। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से इस पर तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है। वे चाहते हैं कि प्राथमिक विद्यालय को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए।

बालिकाओं को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

रुद्रप्रयाग। राजकीय महाविद्यालय जवाड़ी परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के माध्यम से बालिका स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्यारे फाउंडेशन दिल्ली की ओर से संचालित पांच दिवसीय स्वास्थ्य जागरूकता अभियान में छात्राओं को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर जानकारी दी गई।

इस दौरान छात्राओं का रक्त परीक्षण कर निशुल्क सेनेटरी पैड वितरित किए गए। डॉ. अंजलि थपलियाल, राजेश कॉल, पारस कॉल एवं पुष्पा थपलियाल ने माहवारी के दौरान बालिकाओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान अपनी सेहत का पूरा ध्यान रहें और पौष्टिक आहार लें। प्राचार्य डॉ. आशुतोष त्रिपाठी ने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में ऐसे जागरूकता कार्यक्रम की आवश्यकता है। संचालन संयोजिका डॉ. रजनी रौथाण ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनीता बिष्ट, डॉ. मकान प्रकाश, एनएसएस नोडल अधिकारी श्रीकांत नौटियाल, डॉ. गोपी प्रसाद, डॉ. सुरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

मरोड़ पुल में खुली अंग्रेजी शराब की उप दुकान को करें बंद

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के पट्टी सकलाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने मरोड़ पुल के समीप खुली उप अंग्रेजी शराब की दुकान को बंद करने की मांग उठाई है। मुख्य विकास अधिकारी को सौंपे ज्ञापन में उन्होंने शीघ्र मांग पर सकारात्मक कार्यवाही न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश उनियाल और जिला पंचायत सदस्य भुत्सी सीता मनवाल के नेतृत्व में सकलाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में सीडीओ वरुणा अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा।

श्रीमद्भागवत भगवान श्रीकृष्ण का सजीव स्वरूप : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : यमकेश्वर स्थित वानप्रस्थ आश्रम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत भगवान श्रीकृष्ण का सजीव स्वरूप है, जो मानव को धर्म, ज्ञान और भक्ति के मार्ग पर अग्रसर करते हुए जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करती है। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न महत्वपूर्ण एवं दूरगामी कदमों का भी उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से चारधाम यात्रा मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के कारण यात्रा अब अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक हो गई है। प्रदेश में धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कालसी-हरीपुर क्षेत्र में यमुना नदी के तट पर घाटों के निर्माण कार्य, शारदा कॉरिडोर, हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर तथा दून विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर हिन्दू स्टडीज की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे प्रदेश की आर्थिकी एवं सांस्कृतिक पहचान को मजबूत किया जा रहा है। इस अवसर पर व्यास पीठ से भागवत कथा का वाचन कर रहे पूज्य गोविन्द देव गिरी जी महाराज ने श्रीमद्भागवत के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, आस्था एवं सत्कर्म के मार्ग पर चलने का प्रेरणादायी संदेश दिया। परमार्थ आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि भागवत कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यह समाज को नैतिक मूल्यों, सेवा भाव एवं मानवता के उच्च आदर्शों की ओर प्रेरित करने का एक सशक्त माध्यम है। इस मौके पर स्थानीय विधायक रेनू बिष्ट सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एकेश्वर ब्लॉक के इंटर कॉलेज सुरखेत तक पहुंची जंगल की आग

कोटद्वार। गढ़वाल वन प्रभाग के पश्चिमी अमेली रेंज के दमदेवल क्षेत्र के अंतर्गत वन पंचायत धरासू के चीड़ के जंगल में लगी आग एकेश्वर ब्लॉक के इंटर कॉलेज सुरखेत तक पहुंच गई। प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी की सूझबूझ से कॉलेज को अग्निकांड की भेंट चढ़ने से बचा लिया गया। इंटर कॉलेज सुरखेत के प्रधानाचार्य पुष्कर सिंह नेगी ने बताया कि दो हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले विद्यालय के चारों ओर वन पंचायत धरासू का जंगल है। शनिवार दोपहर तीन बजे के करीब चीड़ के जंगल में लगी आग देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और आग विद्यालय के चारों ओर फैल गई। प्रधानाचार्य ने साहस दिखाते हुए कई जगहों पर क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार से पिरूल को हटाकर और पानी डाला और आग को स्कूल परिसर में पहुंचने से रोका। उन्होंने विद्यालय की संपत्ति को सुरक्षित बचा लिया। वहीं, सूचना पर पश्चिमी अमेली रेंज दमदेवल की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रधानाचार्य ने बताया कि उनके प्रयासों से एनएसएस, यूथ एवं ईको क्लब, विज्ञान चेतना केंद्र के छात्र – छात्राओं ने गत 20–25 वर्षों से हर साल पौधरोपण अभियान चलाकर बांज, शीशम, देवदार, बाटल ब्रश, तुन के पेड़ों की वाटिका, विभिन्न प्रजाति के फलदार पौधों की अमृत उद्यान वाटिका, केले के पौधों की गंगा उद्यान वाटिका, फूल–पौधों और बेल लताओं से सुसज्जित स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय सेवा योजना पार्क तैयार कर विद्यालय को ईको हब के रूप में विकसित किया है।

चार घंटे के बाद बुझी जंगल की आग

रुद्रप्रयाग। ब्लॉक के कुनियाली गांव के निकटवर्ती जंगलों में लगी भीषण आग विकराल हो गई थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की दक्षिणी जखोली रेंज की टीम मौके पर पहुंची और करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया

वन-वे व्यवस्था से थमा जाम

गंगोत्री–यमुनोत्री हाईवे पर पुलिस ने संभाली कमान

उत्तरकाशी। गंगोत्री–यमुनोत्री यात्रा रूट पर पुलिस ने वन–वे व्यवस्था से वाहनों की आवाजाही को सुचारू रखा है। गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर बढ़ते दबाव को देखते हुए संकरे हिस्सों पर वन–वे ट्रैफिक व्यवस्था से जाम जैसी स्थिति से निपटा जा रहा है। सोमवार को कुछ स्थानों पर वन–वे व्यवस्था के बीच हल्की जाम की स्थिति भी रही। हाईवे के संवेदनशील और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति से निपटने के लिए तैनात जवानों ने मुस्तैदी के साथ जाम को जल्दी खोलकर आवागमन को जारी रखा।

पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार ने सोमवार को गंगोत्री यात्रा रूट पर पुलिस ड्यूटियों को चेक कर व्यवस्थित यातायात के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि गंगोत्री–यमुनोत्री हाईवे पर मातली, बड़ेथी, रतूड़ीसेरा, डुंडा, नालूपानी, धरासू बैंड, नगुण, कल्याणी ब्रह्मखाल, शिवगुफा, सिलक्यारा, ग्योनोटी, रॉडी टॉप आदि स्थानों पर प्वाइंट टू प्वाइंट पुलिस तैनात है। ड्यूटी पर तैनात जवानों को हर समय अलर्ट रहकर जाम जैसी स्थिति से निपटने को कहा गया है।

पुलिस की ओर से फिलहाल गंगोत्री यात्रा रूट पर गंगनानी से सोनगाड और सोनगाड से सुक्की टॉप झाला तक करीब 25 किमी संकरे हिस्से में वन–वे व्यवस्था लागू की गई है जबकि यमुनोत्री यात्रा रूट पर पाली गाड से जानकीचट्टी के बीच करीब 20 किमी संकरे हिस्से में वन–वे व्यवस्था से वाहनों को आने जाने दिया जा रहा है। ब्रह्मखाल शिवगुफा के पास रुकने व दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को व्यवस्थित एवं कतारबद्ध तरीके से दर्शन करवाया जा रहा है। वहां पर वाहनों को सही तरीके से पार्क करवाने व निर्बाध ट्रैफिक संचालन के लिए पर्याप्त बल तैनात किया गया है। निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक धरासू मनोज असवाल मौजूद रहे।

ढाबा और रेस्तरां संचालकों को नहीं मिल रहे सिलिंडर, कारोबार ठप

उत्तरकाशी। गंगोत्री धाम और यात्रा रूट पर स्थित ढाबों, रेस्तरां संचालकों को रसोई गैस सिलिंडर नहीं मिलने के कारण उनके सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। उनका कहना है कि व्यवसायिक सिलिंडर नहीं मिलने से कारोबार प्रभावित हो रहा है। जिला पूर्ति विभाग और एजेंसियों की ओर से मात्र होटल एसोसिएशन के लोगों को सिलिंडर दिए जा रहे हैं। गंगोत्री धाम सहित यात्रा रूटों पर जिला पूर्ति विभाग और प्रशासन की ओर से व्यवसायिक गैस सिलिंडर वितरण में दोहरे मापदंडों के तहत वितरण किया जा रहा है। विभाग की ओर से मात्र पर्यटन विभाग में पंजीकृत होटल एसोसिएशन के लोगों को ही सिलिंडर की व्यवस्था दी जा रही है लेकिन अन्य रेस्तरां सहित ढाबा संचालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी जसपाल सिंह, हेमराज, अरविंद, भूपेंद्र आदि का कहना है कि इस समय चारधाम यात्रा में उनके कारोबार का समय है। लेकिन उनको अपने प्रतिष्ठान के समय जिला पूर्ति विभाग और प्रशासन के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। गंगोत्री धाम में कुछ लोग स्टोव सहित लकड़ी का प्रयोग किया जा रहा है लेकिन सिलिंडर न मिलने के कारण यह व्यवस्था लंबे समय तक नहीं चल सकती है। साथ ही कई बार इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी गई ।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

वन विभाग के रेंज कार्यालय के नजदीक दिनभर जलता रहा जंगल

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ में वन विभाग के रेंज कार्यालय से आधा किमी की दूरी पर स्थित जंगल दिनभर जलता रहा जिससे थत्यूड़ बाजार में धुंध छा गई। इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने दोपहर बाद तक वनाग्नि पर काफी काबू पा लिया लेकिन कुछ हिस्से में शाम तक जंगल जलता रहा। थत्यूड़ के थापला गांव के ऊपर चीड़ और बांज–बुरांश के जंगल में 19 अप्रैल की शाम करीब छह बजे अचानक आग लग गई। रेंज कार्यालय में बैठे वनकर्मी आग बुझाने मौके पर गए लेकिन जल्द अंधेरा होने के कारण उन्हें लौटना पड़ा जिससे सुबह तक आग फैलती रही। 20 अप्रैल को करीब 8–10 वन कर्मी वनाग्नि काबू करने जंगल पहुंचे। उन्होंने काफी प्रयासों के बाद दोपहर तक काफी बड़े क्षेत्र से आग काबू कर दी लेकिन आग दूर जंगल में आग सुलगती रही। इससे देर शाम करीब छह बजे तक भी हल्की आग के कारण जंगल

में धुआं उठता रहा जिससे करीब चार–पांच हेक्टेयर जंगल आग की चपेट में आ गया। दिनभर आग लगी रहने के कारण नजदीक बाजार में धुंध छाई रही। जंगल की राख उड़कर लोगों के लोगों घरों तक पहुंच गई। इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। रेंज अधिकारी लतिका उनियाल ने कहा कि जंगल में आग लगने का पता चलते ही वन कर्मी मौके पर पहुंच गए थे। काफी प्रयासों के बाद उन्होंने आग पर काबू पा लिया।

जसपुर गांव के पास किए जा रहे खनन का ग्रामीणों ने किया विरोध

नई टिहरी। नई टिहरी–जाख–डोबरा सड़क मार्ग पर जसपुर गांव की थापलाधार अनुसूचित जाति तोक के पास ग्रामीणों ने ठेकेदारों पर अवैध खनन करने के साथ खनन सामग्री को बेचने का आरोप लगाया है। उन्होंने प्रशासन से इसकी जांच कर उचित कार्यवाही की मांग की है। चंबा ब्लॉक के जसपुर गांव पास सड़क मार्ग पर बीते कई दिनों से थापलधार में खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना कि वहां से निकलने वाली सामग्री को टिहरी झील रिंग एवं पर्यटन रोड पर संचालित कार्य के लिए बेचा जा रहा है। ग्रामीण आनंद नेगी, चमन लाल ने बताया कि थापलधार में जहां पर खनन किया जा रहा है ठीक ऊपर अनुसूचित जाति बस्ती के कई परिवार निवासरत है। खनन के कारण बस्ती के साथ ही मुख्य सड़क को भी नुकसान होने की संभावना बनी है। ठेकेदार को मन करने के बाद भी खनन जारी है। बताया कि इस संबंध में जल्द ही गांव का एक प्रतिनिधिमंडल डीएम से मिलेगा। ठेकेदार से खनन का अनुमति पत्र मांगने पर वह किसी प्रकार के कोई दस्तावेज नहीं दिखा रहे हैं। रात को जेसीबी से खनन करने के बाद मिट्टी और पत्थर बड़े–बड़े ट्रकों में भरकर इधर उधर भेजा जा रहा है। इस बाबत टिहरी तहसीलदार धीरज सिंह राणा ने बताया कि उक्त स्थान खेल मैदान के समतलीकरण के लिए तहसील प्रशासन की ओर से अनुमति प्रदान कि गई है। यदि खनन कर सामग्री बेची जा रही है तो यह गलत है। राजस्व उपनिरीक्षक को जांच के लिए मौके पर भेजा जा रहा है। वहीं जिला खनन अधिकारी रवि नेगी का कहना कि मामले के संज्ञान में आने के बाद विभागीय टीम को जांच के लिए भेजा है।

Notes

That, I declared that the name of my Son Rishabh in my service documents as has erroneously been mentioned is Rishabh Goywar (as per service document) where as the correct name of my Son is Rishabh (as per proposed name/new name). That now I wants to endorse the correct name of my Son in my service documents. No- 4097228W Pank L/NK Name Pramod singh S/o Manbar Singh Depet Coy. G.R.R.C LANSDOWNE, PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND.

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/IV द्वारा निम्नलिखित ई–टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये, जायेगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नही होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	05-DRM-MB-26-27 Date:- 10.04.2026	06-DRM-MB-26-27 Date:- 10.04.2026
कार्य का नाम	Cess repair work in the section of SSE/W/CPS under the jurisdiction of ADEN/GJL.	Cess repair work at various location between AWP-NBD & NBD-KTW in the section of SSE/W/NBD under the jurisdiction of ADEN/NBD.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	14.05.2026	14.05.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत	79,75,306.36	1,36,03,039.44
धरोहर राशि	1,59,500.00	2,72,100.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह	08 माह
बिडिंग स्टार्ट तिथि	30.04.2026	30.04.2026

टेन्डर नं- Sr.DEN-IV/Publication/25-26
दिनांक : 20.04.2026 1311/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बाबा तुंगनाथ की उत्सव डोली मंदिर के लिए रवाना

रुद्रप्रयाग। भगवान तुंगनाथ की चल उत्सव विग्रह डोली अपने शीतकालीन गददीस्थल मर्केटेश्वर मंदिर मक्कूमठ से अपने मूल मंदिर के लिए रवाना हो गई। डोली रात्रि प्रवास के लिए भूतनाथ मंदिर पहुंची। मंगलवार को डोली दूसरे पड़ाव चोपता और 22 अप्रैल को चोपता से तुंगनाथ मंदिर पहुंचेगी। इसी दिन शुभ लग्नानुसार पूर्वाह्न 11 बजे विधिविधान के साथ मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

सोमवार सुबह सात बजे से मर्केटेश्वर महादेव मंदिर मक्कूमठ में परंपरानुसार गर्भगृह से भगवान गणेश की भोग मूर्ति को सभामंडप में विराजमान किया गया। इसके बाद मठाधिपति राम प्रसाद मैठाणी हाथों मक्कू के हकहकूकधारी पंच पुजारियों ने सभी पूजाएं की। दान प्रक्रिया के बाद साढ़े नौ बजे भगवान तुंगनाथ की भोगमूर्तियों को सभामंडप में विराजमान किया गया। सभामंडप में हूडडू एवं अखोड़ी गांव के हकहकूकधारियों ने चल उत्सव विग्रह डोली का शृंगार किया। इसके बाद पुजारी विजय भारत मैठाणी, अजय मैठाणी, प्रकाश मैठाणी, मुकेश मैठाणी, हरि बल्लभ मैठाणी, रेवाधार मैठाणी

समेत पंच पुजारियों ने भोग मूर्तियों को चल उत्सव विग्रह डोली में विराजमान किया। इसके बाद देव निशानों के साथ चल विग्रह डोली को बाहर लाया गया। डोली ने मंदिर की परिक्रमा की तो इस दौरान पूरी तुंगनाथ घाटी बाबा तुंगनाथ के जयकारों से गूंज उठी। डोली भक्तों को दर्शन देते हुए पोणखी तोक पहुंची जहां ग्रामीणों ने उन्हें नए अनाज का भोग छाबड़ी लगाया। दोपहर ढाई तुंगनाथ की डोली प्रथम रात्रि प्रवास के लिए भूतनाथ मंदिर पहुंची। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि यात्रा को प्रोत्साहित किया जाएगा जिससे स्थानीय कारोबारियों को यात्रा का लाभ मिल सके। इस अवसर डोली प्रभारी प्रकाश पुरोहित, प्रबंधक बलवीर नेगी, लंबोदर प्रसाद मैठाणी, कुशाल सिंह नेगी, रमेश नौटियाल, प्रधान सुनीता मैठाणी, प्रधान विनोद नेगी, क्षेपंस आशीष चौहान और विजय चौहान आदि भक्त उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/III/मुरादाबाद द्वारा ई–टेंडर निम्न टेंडर संख्या के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेंडर संख्या/दिनांक	01-DRM-MB-26-27 Date: 20.04.2026	02-DRM-MB-26-27 Date: 20.04.2026	07-DRM-MB-26-27 Date: 20.04.2026
कार्य का नाम	Improvement to various staff amenities in Staff Quarters at Bareilly.	Improvement/Upgradation of L-Xing Road surface by providing Rubberized Surface at Various LCs TVU between 50,000 to 1 Lakh in the jurisdiction of Sr. DEN/III/MB	Construction/Improvement of Colony drains Dhakataal, DTTC at SPN & Bilpur Colony under ADEN/SPN
टेंडर क्लोजिंग दिनांक/समय	14.05.2026 at 16:00 hrs.	14.05.2026 at 16:00 hrs.	14.05.2026 at 16:00 hrs.
अनुमानित लागत(₹)	₹3,52,11,153.54	₹2,24,36,731.42	₹1,95,58,593.94
धरोहर राशि(₹)	₹7,04,200/-	₹4,48,700/-	₹3,91,200/-
बिडिंग आरंभ तिथि	30.04.2026	30.04.2026	30.04.2026
ऑफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	10 Months	08 Months	08 Months

पत्रांक: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 20.04.2026 1312/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

नं.74-W/2/3/WA/Publication दिनांक 18.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	13-DRM-MB-26-27 Dt. 17.04.2026	14-DRM-MB-26-27 Dt. 17.04.2026	15-DRM-MB-26-27 Dt. 17.04.2026
कार्य का नाम	Divyangjan facilities (like ramps, hand rails, parking spaces, etc) at various stations under SSE/W/HW under ADEN/HW	Divyangjan facilities (like ramps, hand rails, parking spaces, etc) at Doiwala and Dehradun stations under SSE/W/DDN under ADEN HW	Divyangjan facilities (like ramps, hand rails, parking spaces, etc) at various stations under ADEN/RK
निविदा का प्रकार	Works	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil	Nil
अनुमानित लागत	1,87,04,354.65	48,84,968.60	1,87,04,286.77
धरोहर राशि	3,74,100.00	97,700.00	3,74,100.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	14.05.2026 16:00	14.05.2026 16:00	14.05.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	30.04.2026	30.04.2026	30.04.2026
ऑफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months	06 Months	06 Months

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1292/26

घरेलू मैदान पर आज दिल्ली कैपिल्स से खेलेगी सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला करेगी। इस मैच में सनराइजर्स का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि उसका अब तक का प्रदर्शन दिल्ली से बेहतर रहा है। अंक तालिका में दोनो ही टीमों के 6-6 अंक हैं पर बेहतर रन औसत के कारण सनराइज चौथे जबकि दिल्ली पांचवे स्थान पर है। ईशान किशन की कप्तानी में अबतक सनराइजर्स का प्रदर्शन बेहतर होता गया है। उसकी गेंदबाजी भी युवाओं को शामिल करने के बाद से ही मजबूत हुई हैं। उसके युवा गेंदबाजों प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन ने अच्छी गेंदबाजी कर विरोधी टीमों पर दबाव बनाया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद से ही टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। हिंगे के अलावा युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा ने भी काफी अच्छी गेंदबाजी की है। जहां तक बल्लेबाजी की बात है उसके पास ईशान के अलावा हेनरिक क्लासेन , ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसका कमजोर पक्ष मध्यक्रम के बल्लेबाजों की विफलता है। जिस पर ही दिल्ली कैपिल्स हमला करने का प्रयास करेगी। अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही

दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाई है। अब तक केएल राहुल, पथुम निसांका और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाजों ने ही रन बनाए हैं पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे हैं। युवा समीर रिजवी पिछले तीन मैच से रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी है। दिल्ली की गेंदबाजी हालांकि अच्छी है। उसके पास

तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के अलावा स्पिनर कुलदीप यादव हैं। कप्तान अक्षर पटेल ने भी अच्छी गेंदबाजी की है इसके अलवा युवा गेंदबाजों मुकेश कुमार व टी नटराजन का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

अब तक दोनो टीमों के बीच हुए 26 मुकाबलों में से सनराइजर्स ने 13 जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने 12 मैच जीते हैं। ऐसे में इस बार भी इनके बीच कड़े मुकाबले की उम्मीदें हैं।

टीम इस प्रकार है

सनराइजर्स हैदराबाद = ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी

दिल्ली कैपिटल्स = अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, मिचेल स्टार्क, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव

ऑरेंज कैप के लिए वैभव, पर्पल कैप की रेस में कंबोज शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी 46 रनों की पारी के साथ ही सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ मे शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हो गये हैं। वैभव ने इस मैच में 28 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के लगाये। इस दौरान इस बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट 164.29 का था।

वैभव ने अब तक इस आईपीएल सत्र के 6 मैचों में 246 रन बनाये हैं, उन्होंने यह रन 41 की औसत और 236.54 के स्ट्राइक रेट से बनाये हैं। इस प्रकार वह सबसे अधिक रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पहले नंबर पर 283

रनों के साथ ही सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन हैं जबकि दूसरे पर गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल 251 और तीसरे पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 247 रन हैं। वहीं वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ ही चौथे और रजत पाटीदार 230 रनों के साथ ही पांचवे स्थान पर हैं।

वहीं सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज बेहतरीन प्रदर्शन कर पहले नंबर पर हैं उनके 6 मैचों में 13 विकेट हैं और वह पर्पप कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव ने 6 मैचों में 11 विकेट लेकर दूसरा स्थान हासिल किया है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2/20 और 8.59 का इकॉनमी रेट रहा है।

तीसरे नंबर पर गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा हैं। प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 मैचों में 11 विकेट लिए हैं।उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/28 रहा है और उनका 9.20 का इकॉनमी रेट रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं। उनका इकॉनमी रेट 8.33 है, जो शीर्ष 5 में सबसे अच्छा है।

राजस्थान रॉयल्स के रवि बिश्नोई पांचवे नंबर पर हैं। बिश्नोई ने 6 मैचों में 10 विकेट लिए हैं और उनका इकॉनमी रेट 9.50 है।

तीनों ही प्रारुप में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं अभिमन्यु मिथुन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम एक ऐसा रिकार्ड है। जो किसी अन्य के नाम पर नहीं हैं। अभिमन्यु ने अपने करियर में भारतीय टीम के ओर से केवल 9 मैच खेले हैं पर घरेलू क्रिकेटर में इस क्रिकेटर का करियर लंबा चला है। अभिमन्यु भारत के ऐसे पहले क्रिकेटर हैं, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक लगायी है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ हैट्रिक ली. विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के खिलाफ हैट्रिक लगायी। ये ऐसा रिकार्ड है जो किसी के भी नाम नहीं है। इस क्रिकेटर को तेज गेंदबाजी और अच्छी लाइन-लेंथ के लिए जाना जाता था। 2010 में श्रीलंका के खिलाफ गाले में उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट लिए थे। वहीं इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय डेब्यू किया था। मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवीसय मैच खेलते हुए कुल 12 विकेट लिए है। मिथुन एक गेंदबाज के अलावा निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाजी भी कर लेते थे। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 24.00 का रहा. उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट जून 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और आखिरी एकदिवसीय दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के ही खिलाफ खेला था.

इस क्रिकेटर ने 2021 में भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। भले ही इस क्रिकेटर को भारतीय टीम में अधिक अवसर नहीं मिले, लेकिन कर्नाटक के लिए 300 से ज्यादा फर्स्ट क्लास विकेट और घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रारुपों में हैट्रिक की उपलब्धि इस खिलाड़ी के नाम है। इसके अलावा टी20 के अंतिम ओवर में इस क्रिकेटर के नाम एक ओवर में 5 विकेट लेने का रिकार्ड भी है। अभिमन्यु ने साल 2019 में घरेलू क्रिकेट में ये रिकार्ड बनाया। तब कर्नाटक की ओर से खेलते हुए उन्होंने हरियाणा के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पारी के आखिरी ओवर में पांच विकेट लिए थे। ओवर की पहली चार गेंदों पर उन्होंने लगातार 4 विकेट लिए और आखिरी गेंद पर 5वां विकेट लिया।

पंजाब किंग लगातार छह मैचों में अजेय रहने वाली पहली टीम बनी, मैच में कई रिकार्ड भी बने

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रियांश आर्या और कूपर कॉनॉली की शानदार बल्लेबाजी से पंजाब किंग्स ने यहां खेले गये आईपीएल मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया। इस जीत के साथ ही पंजाब की टीम ने एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। पंजाब की टीम आईपीएल में लगातार छह मैच में अजेय रहने वाली पहली टीम बन गयी है। वह लीग की शुरुआत से ही अब तक एक भी मैच नहीं हारी है। इस मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 254 रन बनाये जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपर जायंट्स की टीम 200 रन ही बना पायी।

प्रियांश और कूपर की शानदार बल्लेबाजी से पंजाब ने 7 विकेट के नुकसान पर 254 रन बनाये। ये इस सत्र में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपर जायंट्स की टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। इस मैच में पंजाब ने शुरुआत में ही सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन का विकेट खो दिया पर इसके बाद भी प्रियांश और कॉनॉली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन की बड़ी साझेदारी कर अपनी टीम को संभाला।

आर्य ने 37 गेंदों में 93 रन बनाये जबकि कॉनॉली ने 46 गेंद में 87 रन बनाए। इस मैच में कई रिकार्ड भी बने। पंजाब किंग्स की टीम किसी भी सत्र में शुरुआती 6 मैच में अपराजेय रहने वाली पहली टीम बन गई है। टीम ने 5 मैच जीते है जबकि एक मुकाबला बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया।

वह इस सत्र में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली टीम बन गई है। आरसीबी ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में सबसे अधिक 250 रन बनाये थे।.

पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए मैच में 454 रन बने. जिसमें दोनों टीम की तरफ से कुल मिलाकर 32 छक्के लगाये गए। ये इस सत्र में किसी एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के का रिकॉर्ड है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर एडन मार्करम के एक ही ओवर में 32 बने। ये आईपीएल का अब तक का सबसे महंगा ओवर रहा। प्रियांश और कॉनॉली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन बनाये। ये इस सत्र में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

चोटिल जैक ड्रेपर मैड्रिड और इटैलियन ओपन में नहीं खेलेंगे

लंदन । जैक ड्रेपर ने इस हफ़्ते होने वाले मैड्रिड ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है और घुटने की नस में चोट लगने के कारण वह अगले महीने होने वाले इटैलियन ओपन में भी नहीं खेल पाएंगे । 24 साल के ड्रेपर ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लिया था और इसी समस्या के चलते बार्सिलोना में इस सीजन के अपने एकमात्र क्ले कोर्ट मैच से उन्हें बीच में ही हटना पड़ा था । यह टूर्नामेंट हड्डी में चोट (बोन ब्रूसिंग) से उबरने के बाद उनकी वापसी का सिर्फ चौथा टूर्नामेंट था ; इस चोट की वजह से यूएस ओपन के एक मैच को छोड़कर वह विंबलडन के बाद से ही टूर से बाहर थे । ड्रेपर ने कहा, 'मेरे घुटने की नस में चोट बढ़ जाने के कारण मैं मैड्रिड और रोम में नहीं खेल पाऊंगा ।' उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से निराशाजनक है, लेकिन मैं शुक्रगुज़ार हूं कि यह कोई बहुत गंभीर चोट नहीं है । मेरी रिकवरी अच्छी चल रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि मैं रोलैंड गैरोस के लिए पूरी तरह फ़िट हो जाऊंगा । मैं वहां से अपनी लय बनाने का इंतजार कर रहा हूं ।'

शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को बाहर करे मुम्बई इंडियंस : श्रीकांत

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने आईपीएल में खराब प्रदर्शन कर रहे मुम्बई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर को आड़े हाथों लिया है। श्रीकांत ने कहा है कि इन दोनो को ही घर वापस भेज देना चाहिये क्योंकि ये दोनो ही अंतिम ग्यारह में रखे जाने के योग्य नहीं दिखते। श्रीकांत ने मुंबई इंडियंस के प्रबंधन से कहा है कि इन दोनो को आगे के मैचों में शामिल न करे। श्रीकांत ने कहा, मुझे नहीं पता कि मुंबई इंडियंस कैसे दीपक चाहर को अंतिम ग्यारह में शामिल किये हुए है। पहले ही ओवर में चाहर ने 21 रन दिए और फिर 22 रन दिए थे। 2.3 ओवर में 45 रन। वहीं शार्दुल ने 3 ओवर में 42 रन दिए। उन्होंने एक साथ 5.3 ओवर किए और 87 रन खर्च किए। उन्होंने साथ ही कहा, इस प्रकार के गेंदबाजों के साथ किया प्रकार से जीता जा सकता है। श्रीकांत इन दोनो से इतने नाराज दिखे की उन्होंने कहा कि इन्हें पैसे देकर आराम से घर बैठने को कहो। जब जरुरत होगी इन्हें बुला लिया जाएगा।। वहीं टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है पर टीम के कोच महेला जयवर्धने ने उनका बचाव किया है।

भारत में फीफा विश्वकप मैचों के प्रसारण को लेकर संशय बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 का इंतजार पूरे विश्व के साथ-साथ भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक कर रहे हैं हालांकि इसके देश में प्रसारण को लेकर संशय छाया हुआ है। इसका कारण ये है कि अभी तक किसी भी भारतीय टेलीविजन या डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इस मेगा इवेंट के मीडिया अधिकार नहीं खरीदे हैं, जिससे यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या भारतीय दर्शक इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को देख पाएंगे या नहीं।

विश्व कप संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। 11 जून, 2026 से इसकी शुरुआत होगी और यह पहली बार होगा जब 48 टीमें इसमें हिस्सा लेंगी, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। भारत की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम भले ही इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई हो, लेकिन देश में फुटबॉल के प्रति जुनून किसी से छिपा नहीं है। लाखों भारतीय प्रशंसक हर चार साल में होने वाले इस आयोजन का बेसब्री से

इंतजार करते हैं, अपनी पसंदीदा टीमों और खिलाड़ियों को खेलते देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। पिछले विश्व कपों में भी भारत में रिकॉर्ड तोड़ दर्शक संख्या दर्ज की गई थी, जो यहां के फुटबॉल प्रेम की गहराई को दर्शाता है।

लेकिन, इस बार स्थिति काफी अलग और चिंताजनक है। फीफा ने 2025 में ही विश्व कप के मीडिया अधिकारों की बिक्री प्रक्रिया शुरू कर दी थी, ताकि प्रसारणकर्ता को पर्याप्त समय मिल सके। विभिन्न देशों में अधिकार बेचे जा चुके हैं, लेकिन भारत में अभी तक कोई भी आधिकारिक प्रासरणकर्ता सामने नहीं आया है।

प्रसारण अधिकारों की बिक्री में यह गतिरोध मुख्य रूप से वित्तीय पहलुओं से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। फीफा ने शुरुआत में 2026 और 2030 दोनों विश्व कप के संयुक्त मीडिया अधिकारों की कीमत 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 830 करोड़ रुपये) आंकी थी, जो कि भारतीय बाजार के लिए एक बहुत बड़ी राशि मानी जा रही थी। इस भारी कीमत के कारण कोई भी संभावित खरीददार आगे नहीं आया। खरीदार न मिलने के बाद, फीफा ने कीमत में भारी कटौती करते हुए इसे 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 290 करोड़ रुपये) कर दिया। इतनी बड़ी कमी के बावजूद, अभी तक कोई भी भारतीय टेलीविजन चैनल या डिजिटल प्लेटफॉर्म इन अधिकारों को खरीदने के लिए तैयार नहीं हुआ है। यह स्पष्ट नहीं है कि ब्रॉडकास्टर्स अभी भी इस कीमत को बहुत अधिक मान रहे हैं या फिर उन्हें इसमें अपेक्षित व्यावसायिक लाभ नहीं दिख रहा है।

यह स्थिति भारत के करोड़ों फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक बड़ा झटका है, जो विश्व कप के रोमांचक मुकाबलों को अपने घरों में बैठकर देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अगर जल्द ही कोई समाधान नहीं निकलता है, तो संभव है कि भारतीय दर्शकों को फीफा विश्व कप 2026 के मैचों से वंचित रहना पड़े, जो सबसे निराशाजनक होगा। ऐसे में मैचो के प्रसारण के लिए फीफा और भारतीय प्रसारणकर्ताओं के बीच शीघ्र ही किसी समझौते की जरुर है।

हरभजन ने नेहरा को एक शानदार कोच बताया

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन के अनुसार नेहरा बेहद जुनूनी और उत्साही कोच हैं जो टीम को एकजुट बनाये रखते हैं। हरभजन के अनुसार जिस प्रकार नेहरा खिलाड़ियों से लगातार बात करते हैं और उनकी परेशानी दूर करते हैं उसी का कारण है कि टीम भी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने कहा कि नेहरा का स्वभाव व तरीका ऐसा है कि वह कहीं भी और किसी भी प्रकार के हालातों में माहौल को सहज बना सकते हैं। वह जहां भी जाते हैं, अपने आसपास सभी लोगों को सरल स्वभाव से सहज बना देते हैं। वह किसी फुटबॉल कोच की तरह नजर आते हैं जो लगातार दौड़ता रहता है। उनकी खेल की समझ काफी अच्छी है जो उन्हें एक बेहतरीन कोच बनाती है। जिस प्रकार उन्होंने गुजरात टाइटंस को तैयार किया है वह तारीफ के काबिल बात है। वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा है कि आईपीएल से पहले कार्तिक त्यागी और अशोक शर्मा ने जो कड़ी मेहनत की थी उसी का फल अब इन दोनो को मिल रहा है जिससे ये काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेषकर कार्तिक ने जिस प्रकार से चोट से उबरकर वापसी की है उसकी जितनी प्रशंस की जाये वह कम है।

ऋषभ ने बताया, बडोनी के पारी शुरु करने का कारण

न्यू चंडीगढ़ । लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीए में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार से निराश हैं। इस मैच में ऋषभ के कुछ फैसलों को लेकर भी सवाल उठे हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत में ऋषभ पारी की शुरुआत के लिए आये थे पर इस मैच में उन्होंने आयुष बडोनी को पारी शुरु करने के लिए भेजा था। आयुष ने मिचेल मार्श के साथ पारी शुरु की। बडोनी ने 21 गेंदों पर 35 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दी। ऋषभ ने अब बदोनी से पारी शुरु कराने का कारण बताया है। ऋषभ कहा, हमने मैदान पर जाकर खुलकर खेलने का फैसला लिया था। यह पहले से तय था कि बडोनी पारी शुरु करेंगे पर ये बात हमने सार्वजनिक नहीं की थी। हम शीर्ष ऑर्डर में थोड़ी आजादी चाहते थे और मैं मध्य क्रम में सहायता करना चाहता था।

आलोचकों के निशाने पर आये पाकिस्तान के रिजवान

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद रिजवान पिछले कुद समय से अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचकों के निशाने पर हैं। इसी कारण वह टीम में भी वापसी नहीं कर पा रहे हैं। यहां तक कि पाक सुपरलीग पीएसएल में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा जिससे उनकी टीम लीग से बहार हो गयी है। टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद रिजवान ने भी स्वीकार किया है कि उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने हालांकि माना है कि अभी उन्हें टी20 टीम में जगह नहीं मिल सकती पर वह इसके बाद भी हार न मानते हुए वापसी के लिए पूरा प्रयास करेंगे। रिजवान ने कहा कि उन्होंने पहले भी स्वीकार किया था कि खराब प्रदर्शन के आधार पर वह टीम में जगह के अधिकारी नहीं हैं। उन्होंने कहा, जब मैं बिग बैश लीग (बीबीएल) खेल रहा था, तब भी मैंने कहा था कि इस प्रदर्शन के आधार पर मैं अभी पाक टीम में जगह हासिल नहीं कर सकता । रिजवान ने ये भी कहा कि अगर प्रशंसक चाहेंगे कि व रिटायर हो जायें तो वह ये भी कर सकते हैं1 इस क्रिकेटर ने कहा, हम सब इंसान हैं। मैंने अपनी गलतियां मानी हैं। अगर आप सोचते हैं कि मुझे इस उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए, तो मैं रिटायर हो जाऊंगा। वहीं अगर मैं ऐसा नहीं करता हूं तो खराब फॉर्म के बाद भी वापसी को तैयार हूं क्योंकि क्रिकेट से ही मुझे पहचान मिली है। ऐसे में वापस के लिए मैं पूरी ताकत लगा दूंगा।उन्होंने कहा, क्रिकेट मेरा जुनून है। मैं इससे दूर नहीं जा सकता। अभी मैं फेल हुआ हूं, शायद मेहनत कम थी, लेकिन मैं और मेहनत करके वापसी करूंगा।रिजवान का खराब प्रदर्शन आंकड़ों से साफ दिखता है। पिछले साल 14 पारियों में उन्होंने केवल 242 रन बनाये और उनका औसत 17.28 रहा जबकि पीएसएल मे में इस साल 7 पारियों में वह 107 रन ही बना पाये हैं। ऐसे में फिलहाल उनकी वापसी की संभावना नजर नहीं आती।

अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है, आरसीबी के तेज गेंदबाज रासिख ने बताया आगे का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के तेज गेंदबाज रासिख सलाम डार ने कहा कि उनका सबसे बड़ा सपना भारत के लिए सभी फॉर्मेट में खेलना है और वह देश का प्रतिनिधित्व किसी भी फॉर्मेट में करने के लिए तैयार हैं। IPL 2026 में रासिख ने तीन मैचों में 5 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/24 का मैच जिताने वाला प्रदर्शन भी शामिल है। रासिख ने फ्रैंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा, 'मैंने क्रिकेट खेलना IPL या भारत के बारे में सोचकर शुरू नहीं किया था। मुझे कोई अंदाजा नहीं था कि यह सफर मुझे कहां ले जाएगा। लेकिन अब मेरा लक्ष्य भारत के लिए सभी फॉर्मेट में किसी भी फॉर्मेट में खेलना है।'

उनकी लगन तब साफ दिखी जब उन्होंने इस सीजन में पहली बार वानखेड़े स्टेडियम में मैच खेला; ऐंठन (cramps) से जूझने के बावजूद उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 1-23 का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं गेंदबाजी करने आया, तो मुझे ऐंठन होने लगी,

ऐसा कुछ मैंने पहले कभी महसूस नहीं किया था। लगभग हर गेंद के बाद मुझे ऐंठन हो रही थी। गेंद डालते समय मैं गिर रहा था और ठीक से झुक भी नहीं पा रहा था। मेरे मन में बस एक ही बात थी कि मुझे यह ओवर पूरा करना है। अगर मैं ऐसा कर पाता, तो टीम बेहतर स्थिति में होती।'

उनके इन प्रयासों की RCB के सहायक कोच ओंकार साल्वी ने भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'उसमें एक अलग ही जज्बा है। जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों में रहना, वह मुश्किल जिंदगी, क्रिकेट खेलने के लिए घंटों का सफर तय करना, आप देख सकते हैं कि एक खिलाड़ी के तौर पर उसने कितनी तरक्की की है। सबसे पहली चीज जो मैंने उसमें देखी, वह थी उसकी प्रतिस्पर्धी भावना। साथ ही, उसका नजरिया भी काफी रचनात्मक था। गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराने के अलावा, उसके पास एक धीमी गेंद (slower one) भी थी, और टी20 क्रिकेट खेलने का उसका नजरिया भी दूसरों से अलग था।'

रासिख ने अपने करियर की शुरुआत में मन में उठने वाले उन शुरुआती सवालों को याद किया, जब तक कि उन्हें अपनी मां से हौसला नहीं मिला। रासिख ने कहा, 'जब मैंने पेशेवर तौर पर क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो मेरे परिवार और रिश्तेदारों का कहना था कि कोई भी क्रिकेट को अपना पेशा नहीं बना सकता, क्योंकि हमारे इलाके से बहुत कम लोग ही क्रिकेट खेलते थे। लेकिन मेरी मां को हमेशा मुझ पर भरोसा था। बचपन से ही वह कहती थीं कि मेरा बेटा एक दिन क्रिकेटर जरूर बनेगा।'

उनकी इस यात्रा में ट्रायल में शामिल होने के लिए लंबी यात्राएं, इरफान पठान से मार्गदर्शन और बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा चुने जाने के बाद चोटों के कारण मिली रुकावटें शामिल थीं; इस दौरान उन्हें खेल से दो साल का ब्रेक भी लेना पड़ा। उन्होंने कहा, 'जब मैं पहली बार अंडर-19 ट्रायल के लिए गया, तो मुझे इसकी प्रक्रिया भी ठीक से पता नहीं थी। उस साल मेरा चयन नहीं हुआ। अगले साल, जब मैं दोबारा गया, तो वहां इरफान पठान मौजूद थे। मुझे कुछ गेंदें फेंकते देखने के बाद उन्होंने मुझे रोका और मेरा मार्गदर्शन करना शुरू कर दिया। तभी मुझे लगा कि शायद उन्हें मुझमें कुछ खास नजर आया है। दो मैच खेलने के बाद मुझे पीठ में चोट लग गई। फिर ठीक होने की प्रक्रिया के दौरान मुझे दोबारा चोट लग गई। उस समय मुझे एहसास हुआ कि मुझे जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। मुझे पूरी प्रक्रिया का पालन करना था, चाहे इसमें कितना भी समय क्यों न लगे।'

RCB ने मेगा ऑक्शन में उन पर भरोसा दिखाया और उन्हें 6 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल कर लिया। हालांकि 2025 के खिताब जीतने वाले सीजन में उन्हें ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिला, फिर भी रासिख RCB के सीनियर गेंदबाजों से सीखने के इस मौके का पूरा आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार जैसे खिलाड़ियों के साथ काम करते हुए, मैं उनसे बहुत सारे सवाल पूछता था कि उन्होंने किसी खास समय पर कोई खास गेंद क्यों फेंकी। मैं बस सीखना चाहता था।'

पर्दे के पीछे की उनकी मेहनत साल्वी को साफ नजर आती थी। उन्होंने कहा, 'वह हमेशा अपने लिए कड़ी मेहनत करते रहते थे। वह हमेशा हर उस मैच से कुछ न कुछ सीखने की कोशिश करते थे जिसे वह बाहर बैठकर देख रहे होते थे। और फिर उनकी अपनी राय भी होती थी, जिस पर हम मैच के बाद अभ्यास के दौरान चर्चा करते थे। रासिख में गेंद को दोनों तरफ घुमाने की काबिलियत है।'